

एक नजर

तथा कांग्रेस और वक्के बीच फिर बढ़ने लगी हैं दूरियां? समझें मायने



विपक्ष एकता के नाम पर पिछले कुछ दिनों से नीतीश कुमार कवायद कर रहे हैं। इस कवायद में आम आदमी पार्टी (आम) और कांग्रेस को भी आगामी चुनाव में एक साथ लाने की खूब चर्चा रही। ये चर्चा इसलिए भी गर्म हुई क्योंकि पिछले दिनों आप और कांग्रेस कई मुद्दों पर एक दूसरे का समर्थन करती नजर आईं। अब चाहे वो सीबीआई के कथित दिल्ली सरकार की शराब नीति मामले में चल रही जांच को लेकर अरविंद केजरीवाल को पूछताछ के लिए बुलाए जाने पर कांग्रेस अध्यक्ष खरोगे का केजरीवाल को फोन कर समर्थन जताना हो या फिर राहुल गांधी पर गुजरात कोर्ट के फैसले के बाद संसद की सदस्यता रद्द किए जाने पर अरविंद केजरीवाल का तुरंत राहुल के समर्थन में बयान देना हो। ये दोनों ही मुद्दे ऐसे रहे जिस पर आप ने कांग्रेस का और कांग्रेस ने आप का खुलकर साथ दिया। इसके बाद ये कयास लगाए जाने लगे कि आने वाले दिनों में जिन राज्यों में चुनाव है, जिसमें खासतौर पर मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और राजस्थान का चुनाव शामिल है, वहां पर दोनों ही पार्टियों के बीच कुछ गठबंधन की तस्वीरें नजर आ सकती हैं। साथ ही ये भी चर्चा होने लगी कि 2024 के लोकसभा चुनाव में सीट शेयरिंग को लेकर दोनों पार्टियों के बीच एक फॉर्मूला भी तैयार हो रहा है, लेकिन इन सभी कयासों पर तब विचार लग गया जब कांग्रेस के कुछ नेताओं ने दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के सरकारी आवास से जुड़े विवाद पर केजरीवाल और आप पर एक के बाद एक कई सारे आरोप मढ़ने शुरू कर दिए। अब जब एक तरफ से हमला होने लगा तो दूसरा खेमा भी समझौता करने की बजाय दूसरी पार्टी के शीर्ष नेतृत्व पर ही आरोप लगाने लगा। अरविंद केजरीवाल नेता अजय माकन ने कुछ दिनों पहले एक प्रेस कॉन्फ्रेंस कर अरविंद केजरीवाल के सरकारी आवास को लेकर कई सारे तथ्य सामने रखे। इस दौरान उन्होंने अरविंद केजरीवाल और आम आदमी पार्टी पर भ्रष्टाचार के कई बड़े आरोप लगाए। इसके बाद जब कांग्रेस शासित छत्तीसगढ़ सरकार का कथित शराब घोटाला सामने आया तो आप ने भी कांग्रेस को घेरने की ठान ली। आप ने ना सिर्फ छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की गिरफ्तारी की मांग कर दी बल्कि पार्टी के शीर्ष नेतृत्व पर सवाल उठाते हुए राहुल गांधी की भी जांच करवाने की मांग कर डाली। चुनाव से पहले जहां रिश्ते और भी ज्यादा मजबूत होने चाहिए थे, वहीं अचानक दोनों ही पार्टियों के बीच दूरी बढ़ने की वजहें जब पार्टी के नेताओं से पूछे गए तो दोनों ने ही अपने-अपने मायने निकालने शुरू कर दिए। आप वरिष्ठ नेता सौरभ भारद्वाज ने कहा अगर कांग्रेस के साथ कुछ गलत होता है, जैसे कि राहुल गांधी की संसद की सदस्यता रद्द की गई, तो हमने ये बात उठाई और कहा कि ये गलत है, लेकिन जब 2000 करोड़ का घोटाला हो रहा है, आप लोगों को लूट रहे हैं तो हम चुप नहीं रहेंगे। इसकी जांच होनी चाहिए। वहीं जब सौरभ भारद्वाज से पूछा गया कि कांग्रेस और आप के बीच इस खटास से 2024 में साथ आने की चर्चा का क्या होगा? इस पर उन्होंने कहा कि कई विपक्षी दल अपने हिसाब से बातें करते हैं, लेकिन भ्रष्टाचार के मुद्दे पर हम समझौता करके अपनी जुबान बंद नहीं करेंगे। अगर कांग्रेस ने भ्रष्टाचार किया है तो हम जांच की मांग जरूर करेंगे। इसके साथ ही जब उनसे पूछा गया कि नीतीश कुमार जिस विपक्षी एकता की कवायद में लगे हुए हैं उसका अब क्या होगा?

जब मामला कोर्ट में है तो कर्नाटक में मुस्लिम आरक्षण पर नेताओं के बयानों को लेकर सुप्रीम कोर्ट में सख्त दिग्गमि

कर्नाटक में 4 फीसदी मुस्लिम आरक्षण खत्म करने का विवाद बढ़ता जा रहा है। सुप्रीम कोर्ट में मंगलवार (9 मई) को राज्य सरकार के फैसले के खिलाफ सुनवाई 25 जुलाई के लिए टल गई है। नई नीति के आधार पर नीकरी या दाखिला न देने का अंतरिम आदेश जारी रहेगा। इसी बीच जजों ने नाराजगी जताते हुए कहा कि जब मामला कोर्ट में लंबित है तो बीजेपी नेता इस पर बयानबाजी क्यों कर रहे हैं? जस्टिस के.एम. जोसफ, न्यायमूर्ति बी.वी. नागरवा और न्यायमूर्ति अहमदुल्लाह ने विचारधारा के अंतर को ध्यान में रखते हुए कोर्ट का आदेश है तो इस मुद्दे पर कोई राजनीतिक बयानबाजी नहीं होनी चाहिए, यह उचित नहीं है। कुछ पवित्रता बनाए रखने की जरूरत है। दरअसल चार प्रतिशत मुस्लिम आरक्षण को रद्द करने को चुनौती देने वाले याचिकाकर्ताओं की तरफ से पेश हुए वरिष्ठ अधिवक्ता दुष्टत दवे ने कहा, 'कर्नाटक में हर दिन गृह मंत्री अमित शाह बयान दे रहे हैं कि उन्होंने चार प्रतिशत मुस्लिम आरक्षण वापस ले लिया है'

श्रद्धा वालकर के पिता बोले

आफताब पूनावाला को फांसी की सजा मिलनी चाहिए

श्रद्धा वालकर हत्याकांड में दिल्ली की एक कोर्ट ने आफताब पूनावाला के खिलाफ आरोप तय कर दिए हैं। श्रद्धा वालकर के पिता ने ताजा बयान में कहा है कि दोषी को फांसी की सजा मिलनी चाहिए। साथ ही उन्होंने मामले में जल्द से जल्द सुनवाई करने की मांग की। श्रद्धा वालकर के पिता ने उम्मीद जताई कि दोषी आफताब पूनावाला को फांसी की सजा सुनाई जाएगी। पूनावाला पर अपनी लिब-इन पार्टनर श्रद्धा वालकर की गला दबाकर हत्या करने और उसके शरीर के टुकड़े-टुकड़े करने का आरोप है। हालांकि, आफताब ने इन सभी आरोपों से इनकार किया और मुकदमे का सामना करने की बात

कही। मामले में अगली सुनवाई एक जून को होगी। श्रद्धा के पिता विकास की मांग को लेकर वह 17 मई को मुंबई में एक दिन का प्रदर्शन करेंगे।



वालकर ने कहा, हमें लगता है कि उसे फांसी दी जानी चाहिए। मैं कोर्ट से जल्द से जल्द सुनवाई शुरू करने का अनुरोध करूंगा। उन्होंने कहा कि मामले में जल्दी सुनवाई

उन्होंने कहा, 'हम चाहते हैं कि हमारी आवाज दिल्ली में सुनी जाए। एडिशनल सेशन जज मनीषा खुराना ककड़ ने कहा कि आरोपी के खिलाफ सबसे पहले भारतीय

दंड विधान की धारा 302 (हत्या) और 201 (अपराध के सबूत गायब करना) के तहत अपराध के लिए मामला बनता है। दिल्ली पुलिस ने मामले में 24 जनवरी को 6,629 पन्नों का आरोपपत्र दाखिल किया था। बताया कि आफताब पूनावाला ने पिछले साल 18 मई को श्रद्धा वालकर का कथित तौर गला घोट दिया था। इसके बाद उसने उसके शरीर के टुकड़े किए और उन्हें दक्षिण दिल्ली के महारौली में अपने घर में करीब तीन हफ्ते तक फ्रिज में रखा। उसने पकड़े जाने से बचने के लिये वालकर के शव के टुकड़ों को राष्ट्रीय राजधानी के अलग-अलग इलाकों में फेंक दिया था।

कांग्रेस मुस्लिम आरक्षण बढ़ाकर 6 करेगी तो कम किसका होगा? बोले अमित शाह- प्रचार खत्म होने से पहले चाहिए

केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने आरक्षण के मुद्दे को लेकर कांग्रेस को घेरते हुए तीखे सवाल पूछे हैं। साथ ही उन्होंने कर्नाटक में बीजेपी (बहुमत) की प्रचंड जीत का दावा किया है। 10 मई को कर्नाटक में होने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर शाह ने कहा कि सभी क्षेत्रों में भारतीय जनता पार्टी के लिए रुझान हैं। इस बार कर्नाटक में

बीजेपी पूर्ण बहुमत के साथ आ रही है। कांग्रेस पर हमला



बोलते हुए उन्होंने कहा कि कांग्रेस को इस तरह की राजनीति नहीं करनी चाहिए। कांग्रेस को कर्नाटक की जनता जवाब देगी।

उपभोक्ता के अधिकार उपभोक्ता की शिकायत और निराकरण प्रक्रिया

उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम 2019 के प्रावधान उपभोक्ताओं के हितों को ध्यान में रखते हुए बनाया गया है। शासकीय एवं अशासकीय संस्थाओं द्वारा उपभोक्ताओं को जगो शक जगो आदि नारों के माध्यम से सेवा प्रदाता और विक्रेता द्वारा की गई अनियमितताओं के विरुद्ध कार्यवाही करने के लिए प्रेरित करता है। उपभोक्ता द्वारा सेवा प्रदाता एवं विक्रेताओं के द्वारा की गई अनियमितताओं अथवा ज्यादाती के विरुद्ध धारा 35 उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम के अंतर्गत शिकायत की जाती है। उपभोक्ता आयोग के समक्ष शिकायत करने पर आयोग सर्वप्रथम इस तथ्य पर विचार करता है कि उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम 2019 की धारा 35 के अंतर्गत परिवर्ती अव्यवस्था का उपभोक्ता है या नहीं एवं परिवर्ती ने प्रकरण प्रस्तुत करने से पूर्व सेवा प्रदाता या सामग्री विक्रेता को विधिवत सूचना पर प्रेषित किया है

विमान यात्रियों के लिये नया एयर टर्मिनल अब सितंबर में खुलेगा

ग्वालियर। ग्वालियर एयरपोर्ट के पहले चरण का काम अब जून की जगह सितंबर 2023 में पूरा होगा। नया एयरपोर्ट टर्मिनल अनुत्तु होगा और इसमें एक साथ 13 विमान खड़े हो सकेंगे। एयरपोर्ट टर्मिनल का 60 प्रतिशत कार्य अभी तक पूरा हो चुका है। सितंबर से ग्वालियर में इसके शुभारंभ के साथ नये शहरों और महानगर मुंबई, कोलकाता के लिये नियमित फ्लाइट संचालन का भी योजना है। ग्वालियर में लगभग 470 करोड़ की लागत से बन रहा एयरपोर्ट टर्मिनल प्रदेश के इंदौर, भोपाल जैसे टर्मिनल की सुविधा लिये होगा। यहां

पीक आवर में 1400 यात्री एक साथ आ जा भी सकेंगे। एयरपोर्ट

में आये निदेशक सदीप अग्रवाल इसकी पूरी देखरेख कर रहे हैं। नये एयरपोर्ट टर्मिनल का काम हालांकि पहले जून 2023 में पूरा होना था, लेकिन अब यह सितंबर 2023 में पूरा होगा। इसका नया टर्मिनल भवन 20 हजार वर्गमीटर में बन रहा है, जो मौजूदा टर्मिनल से 6 गुना अधिक है। इसके लिये एयरपोर्ट अथॉरिटी ने 147 एकड़ जमीन अधिग्रहित की है। हवाई पट्टी वायुसैनिक हवाई अड्डे की ही रहेगी नये एयरपोर्ट टर्मिनल के लिये नई हवाई पट्टी नहीं बनेगी।

द केरला स्टोरी फिल्म के निर्माता को सबके सामने फांसी दे दी चाहिए बोले एन सी पी नेता जितेंद्र अह्मद

एनसीपी नेता जितेंद्र अह्मद ने मंगलवार (9 मई) को फिल्म द केरला स्टोरी बनाने वालों पर निशाना साधा। उन्होंने यहां तक कहा कि फिल्म के निर्माता को सबके सामने फांसी दे देनी चाहिए। समाचार एजेंसी एनआई के मुताबिक, जितेंद्र अह्मद ने कहा, द केरला स्टोरी नाम से एक राज्य और उसकी महिलाओं को बदनाम किया गया। तीन लोगों का आधिकारिक आंकड़ा 32 हजार के रूप में दिखाया गया। जिस व्यक्ति ने यह आधिकारिक फिल्म बनाई, उसे सार्वजनिक रूप से फांसी दी जानी चाहिए। गौरवतलब है कि इस फिल्म के निर्माता विपुल अमृतलाल शाह और निदेशक सुदीप

सेन हैं। फिल्म में आतंकी संगठन इस्लामिक स्टेट की ओर से की जाने वाली लड़कियों की भर्ती को दिखाया गया है। फिल्म को लेकर सियासत गर्म है। केरल सरकार, कांग्रेस और कुछ राजनीतिक दलों की ओर से फिल्म की निंदा की गई है, वहीं बीजेपी से

फिल्म को समर्थन मिला है। देश में फिल्म टेक्स फ्री की गई है, वहीं पश्चिम बंगाल की ममता बनर्जी सरकार ने राज्य में इस पर बैन लगा दिया है। तमिलनाडु में भी कई मल्टीप्लेक्स में कानून व्यवस्था का हवाला देते हुए रविवार (7 मई) से फिल्म नहीं दिखाई जा रही है। इस बीच मंगलवार (9 मई) को प्रोड्यूसर्स गिल्ड ऑफ इंडिया ने फिल्म के प्रदर्शन पर रोक लगाने पर आपत्ति जताई है। संस्था ने कहा कि फिल्म पर रोक लगाने या नहीं लगाने का अधिकार केवल केन्द्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड को है। गिल्ड ने कहा कि फिल्म के भविष्य को जनता को तय करने देना चाहिए

एफएम कनेक्टिविटी बढ़ाने के लिए ट्रांसमीटर्स के उद्घाटन पर केन्द्रीय मंत्री तोमर ने प्रधानमंत्री का आभार माना

चंबल संभाग के श्यांपुर जिला सहित मध्य प्रदेश के 13 और पूरे देश में कुल 91 एफएम ट्रांसमीटर्स का प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा शुक्रवार को किए गए उद्घाटन पर केन्द्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ने प्रधानमंत्री के प्रति आभार व्यक्त किया है। श्री तोमर ने कहा कि इससे श्यांपुर के आदिवासी अंचल के लोगों को भी बहुत लाभ मिलेगा। उन्होंने कहा प्रधानमंत्री मोदी का इस बात में दृढ़ विश्वास है

खजुराहो मे देशी विदेशी गौतम बुद्ध प्रेमियों ने मनाई बुद्ध पूर्णिमा

कार्यक्रम में सर्वप्रथम बुद्ध भगवान का अभिषेक एवं पुष्पांजलि पूजन किया गया। इटली एवं रीश्या की प्रसिद्ध क्लासिकल संगीत की गायिका वेलन्तिना वर सचावस्काया ने अपने उद्बोधन में बताया कि मेने भगवान बुद्ध के जीवन का दर्शन भगवान रजनीश ओशो की किताबों के द्वारा पाया है। 7 तथा बुद्ध पूर्णिमा के दिन विश्व के सभी देशों में भगवान बुद्ध का जन्मोत्सव आध्यात्मिक पर्व के रूप में मनाया जाता है। 7 श्री मतीगंभर सेवा समिति के पंडित सुधीर शर्मा ने भगवान विष्णु के नवे अवतार भगवान बुद्ध के आध्यात्मिक जीवन में खजुराहो, सलेह तथा बुंदेलखंड की पवित्र केन नदी के संबंधों के बारे में प्रकाश डाला। 7 उन्होंने बताया कि 1835 में ब्रिटिश शोधक एलेजेंडर कनिंघम ने सर्व प्रथम खजुराहो के घंटाई मंदिर को खोज की थी। 7 जिसके नजदीक बुद्ध भगवान की

विशाल प्रतिमा मिली थी जो की आर्कलॉजिकल म्यूजियम के विशेष आकर्षण का केंद्र है। 7 इसके पश्चात 1838 में ब्रिटिश सैनिक मिस्टर चर्ट ने खजुराहो के बाकी मंदिरों की पहचान विश्व पटल पर कराई। 7 इन तथ्यों से यह सत्यापित होता है कि खजुराहो के चंदेलकालीन मंदिरों में सनातन धर्म की सभी प्राचीन पंत हिन्दू जैन और बुद्ध के आध्यात्मिक दर्शनों का संगम है

जब कोई विभाजन की बात करेगा. अमित शाह पर सीएम ममता बनर्जी का निशाना

बंगाली पंचांग के अनुसार 25वीं बोईसाख (वैशाख) को भारत के महान साहित्यकार, नोबेल पुरस्कार विजेता और गुरुदेव के नाम से सम्मानित रवींद्र नाथ टैगोर की जयंती पर मंगलवार (9 मई) को केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह राज्य के एक दिवसीय दौरे पर हैं। उन्होंने कोलकाता के जोरसाखों टाकुरबाड़ी स्थित टैगोर के पुरतैनी आवास पर पहुंचकर उन्हें पुष्पांजलि अर्पित की। इस बीच पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने परोक्ष रूप से अमित शाह पर निशाना साधा है। सीएम ममता बनर्जी ने कहा, '%हमें टैगोर के बताए रास्ते पर चलने की जरूरत है, टैगोर की सोच का पालन करना चाहिए,

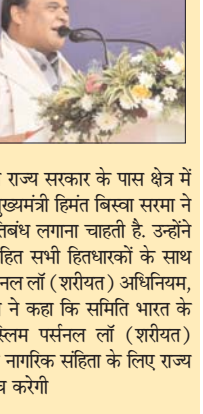
हमें यह नहीं सोचना चाहिए कि चुनाव के दौरान या चुनाव के लिए बगैर जानकारी

किया जा सकता है। सीएम ममता ने कहा, '%हम टैगोर के शब्दों में लोगों को नमन

तो हम टैगोर की बात सुनाएंगे। हम बांटन और तोड़न नहीं चाहते, बल्कि निर्माण करना चाहते हैं। जहां मन भय रहित है, वहां टैगोर की बातें सुनते हैं। हमें यह नहीं सोचना चाहिए या चुनाव के लिए, हम कहते हैं कि टैगोर का जन्म शांतिनिकेतन में हुआ था। टैगोर ने अपने काम से हमें नेतृत्व दिया। केन्द्रीय गृह मंत्री शाह सोमवार (8 मई) को रात में कोलकाता पहुंचे थे। मंगलवार को सुबह करीब ग्यारह बजे उन्होंने बीजेपी नेताओं के साथ जोरसाखों टाकुरबाड़ी और टैगोर के पुरतैनी आवास का दौरा किया। बीजेपी की राज्य इकाई की एक नेता ने जानकारी दी कि केन्द्रीय मंत्री ने टैगोर को पुष्पांजलि अर्पित की

बहुविवाह पर लगाएंगे प्रतिबंध, बोले असम के सीएम हिमंत बिस्वा सरमा, युसीसी पर भी दिया अहम बयान

असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने मंगलवार (9 मई) को बहुविवाह पर प्रतिबंध लगाने की बात कही। उन्होंने कहा कि हम समान नागरिक संहिता से नहीं गुजर रहे हैं, लेकिन हम एक राज्य अधिनियम के तहत बहुविवाह पर प्रतिबंध लगाना चाहते हैं। असम सरकार ने इस बात की जांच के लिए एक विशेषज्ञ समिति बनाने का फैसला किया है कि क्या राज्य सरकार के पास क्षेत्र में बहुविवाह पर रोक लगाने का अधिकार है। मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने कहा कि सरकार राज्य में बहुविवाह पर प्रतिबंध लगाना चाहती है। उन्होंने आगे कहा कि समिति कानूनी विशेषज्ञों सहित सभी हितधारकों के साथ व्यापक रूप से चर्चा करेगी और मुस्लिम पर्सनल लॉ (शरीयत) अधिनियम, 1937 के प्रावधानों की जांच करेगी। सरमा ने कहा कि समिति भारत के संविधान के अनुच्छेद 25 के साथ मुस्लिम पर्सनल लॉ (शरीयत) अधिनियम, 1937 के प्रावधानों की समान नागरिक संहिता के लिए राज्य नीति के निर्देशक सिद्धांत के संबंध में जांच करेगी



शिवपुरी हवाई पट्टी से कोटा झांसी मार्ग को मिली स्वीकृति

अनिल कुशवाह
पुष्पांजलि टुडे

शिवपुरी- खेल एवं युवा कल्याण, तकनीकी शिक्षा, कौशल विकास एवं रोजगार मंत्री यशोधरा राजे सिंधिया के प्रयासों से विधानसभा क्षेत्र शिवपुरी के 30 करोड़ की लागत से निर्मित होने वाले लगभग 13 कि.मी. लम्बाई के शिवपुरी हवाई पट्टी से कोटा झांसी मार्ग को स्वीकृति मिली है। ज्ञात हो कि पिछले वर्ष अतिवृष्टि में रो? क्षतिग्रस्त होने के कारण कई दिनों झांसी का मार्ग बंद रहा था। इस समस्या को गंभीरता से लेते हुए अधिकारियों से सर्वे कराकर इसकी खीपीआर बनाई गयी थी। अब शीघ्र ही इस रो? के टेण्डर लगाये जा रहे हैं। इस स?क की वर्तमान में चौ?ई सात मीटर है, जिसे अब 10 मीटर की चौ?ई में बनाई जायेगी। अभी झांसी तिराहा शिवपुरी से हवाई पट्टी तक डामरीकृत स?क बनाई जा रही है, जो शीघ्र ही पूर्ण होने वाली है। अब इस रो? को आगे तक की स्वीकृति शासन से मिल गई है, जिसे कोटा फोरलेन से जो?ा जायेगा। जिसके शीघ्र ही टेण्डर लगाकर कार्य प्रारंभ कराया जाएगा। मंत्री यशोधरा राजे सिंधिया ने कहा है कि यह सड़क बनने से आवागमन सुगम होगा। लोगों को सुविधा मिलेगी। इसी प्रकार क्षेत्र के विकास के लिए लगातार काम किए जा रहे हैं।

अध्यापक संवर्ग को उच्च पदनाम नहीं, क्रमोन्नति एवं अध्यापक संवर्ग में पदोन्नति का लाभ दे सरकार :जनक सिंह रावत

मुख्यमंत्री, शिक्षा मंत्री को लिखा पत्र

अनिल कुशवाह
पुष्पांजलि टुडे

शिवपुरी। अखिल भारतीय पेशन बहाली सयुक्त मोर्चा के राष्ट्रीय संयोजक जनक सिंह रावत द्वारा अध्यापक संवर्ग एवं कर्मचारियों की समस्याओं को लेकर मध्यप्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री एवं शिक्षा मंत्री को पत्र लिखा है, और मांग की गई है कि अध्यापक संवर्ग को उच्च पदनाम देकर पदोन्नति किया जाना न्याय संगत नहीं है छ प्रदेश के कर्मचारियों को क्रमोन्नति एवं

अध्यापक संवर्ग में पदोन्नति का लाभ दिया जाए 2006 में नियुक्त



अध्यापक संवर्ग में पदोन्नति का लाभ दिया जाए 2006 में नियुक्त

अध्यापक संवर्ग के कर्मचारी 12 वर्ष की सेवा 2018 में पूरी कर चुके हैं लेकिन आज तक क्रमोन्नति का लाभ नहीं दिया गया है प्रदेश के लाखों कर्मचारी क्रमोन्नति की आस लगाए बैठे हैं लेकिन सरकार द्वारा उच्च पदनाम द्वारा पदोन्नति किए जाने का जो आदेश दिया है वह कर्मचारियों के हित में नहीं है इससे कर्मचारियों में निराशा का भाव है दूसरी तरफ सीआर के नाम पर 2016 से 2023 तक कर्मचारियों से सीआर मांगी जा रही है जिससे कर्मचारी कार्यालयों के चक्कर लगा रहा है लाखों कर्मचारियों के हित में पत्र लिखकर मांग की है कि 12 वर्ष की सेवा कर चुके अध्यापक संवर्ग एवं समस्त कर्मचारियों को क्रमोन्नति का लाभ दिया जाए एवं अध्यापक संवर्ग को अध्यापक संवर्ग में पदोन्नति किया जाए संगठन एवं कर्मचारी आशा भरी निगाहों से मुख्यमंत्री से अपेक्षा करते हैं कर्मचारी हित में जल्द से जल्द फैसला कर कर्मचारियों के साथ न्याय करेंगे

पुलिस थाना पिछोर को वारंट तामीली अभियान में मिली बड़ी सफलता

कई वर्ष से वांटेड गिरफ्तारी वारंटों को गिरफ्तार किया

जगदीश पाल रिपोर्टर खनियाधाना



पिछोर पुलिस अधीक्षक शिवपुरी श्री खुशवंत कुमार सिंह भदौरिया, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री प्रवीण कुमार भूरिया, एसडीओपी पिछोर प्रशांत शर्मा के निदेशन में गिरफ्तारी व स्थायी वारंटों तामीली करने का अभियान चलाया जा रहा है इसी तारतम्य थाना टीआई गब्बर सिंह गुर्जर के नेतृत्व में पुलिस थाना पिछोर की टीम ने आज सुबह ग्राम विजयपुर व मन्गुली में दबिश देकर गिरफ्तारी वारंटों इंद्र सिंह पाल पुत्र प्रीतम सिंह पाल उम्र 30 वर्ष निवासी मन्गुली को उसके घर से गिरफ्तार किया जो थाना पिछोर के अपराध क्रमांक 369 /17 धारा 34(2) आबकारी एक्ट में मान्यनीय न्यायालय नेहा प्रधान न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी शिवपुरी के प्रकरण क्रमांक आसीटी 6/18 में गिरफ्तारी वारंट जारी किया गया था वारंटों कई वर्ष से पुलिस को चकमा दे रहा था आज पुलिस थाना पिछोर टीम ने गिरफ्तार किया। पुलिस टीम में एसएसआई शैलेंद्र सिंह चौहान, प्रधान आरक्षक हरी सिंह पाल, संतोष यादव, हिमांशु चतुर्वेदी धनश्याम परमार व आरक्षक प्रदीप कौरव व मांगीलाल गुर्जर शामिल रहे।

छत्रसाल महाविद्यालय में शुरू होगा हिंदी विषय में पीएचडी रिसर्च वर्क

जगदीश पाल रिपोर्टर खनियाधाना

शासकीय छत्रसाल महाविद्यालय पिछोर जिला शिवपुरी हिंदी विषय में पीएचडी का रिसर्च सेंटर बना। महाविद्यालय के रिसर्च सेंटर पर आगामी नवंबर सत्र यानी जुलाई माह से पीएचडी की कक्षाएं संचालित हो सकेंगी। आज रिसर्च सेंटर के निरीक्षण के लिए जीवाजी विश्वविद्यालय द्वारा गठित इंस्पेक्शन टीम ने महाविद्यालय एवं हिंदी विभाग का निरीक्षण किया साथ ही उन्होंने स्नातकोत्तर अंतिम वर्ष के छात्र छात्राओं से भी टीम ने चर्चा की। टीम ने महाविद्यालय की भव्य लाइब्रेरी का भी मुआयना किया स्नातकोत्तर हिंदी की पुस्तकें, रिसर्च जनरल, पत्र पत्रिकाएं, समाचार पत्र तथा शोध में लगने वाली विभिन्न प्रकार की उपयोगी पुस्तकों का निरीक्षण किया। महाविद्यालय के

भव्य पुस्तकालय को देखकर एवं पुस्तकों की उपलब्ध संख्या को



देखकर इंस्पेक्शन टीम अत्यधिक प्रसन्न हुई और उन्होंने महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ एएसएस गौतम की उन्मुक्त मुख से प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि पिछोर जैसी जगह पर

महाविद्यालय का इतना सुंदर और भव्य संसाधनों से युक्त अत्यंत

कार्य को यहां कर सकेंगे और उन्हें यहीं से गाइड भी उपलब्ध हो सकेंगे जो बहुत ही महत्वपूर्ण एवं छात्र हित की बात है। इस अवसर पर डॉ केशव सिंह जाटव, हिंदी विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ अंजू सिंहारे डॉक्टर केके यादव डॉ अरविंद सिंह यादव, डॉक्टर अक्षय कुमार जैन, डॉक्टर करण सिंह जाटव, प्रोफेसर नरसिंह भिड़े, डॉक्टर भावना भटनागर, डॉ.वनीता बाथम, प्रो जगदीश आर्य, श्रीमती दीक्षा ताम्रकार, प्रो. सतीश माहेश, डॉ गिरीश नोशवा, श्री राजेंद्र हिमोरिया, डॉ सुनीता पटेल, श्रीमती कविता पाराशर, श्री शोभा राम जाटव, डॉ आशुतोष श्रीवास्तव, श्रीमती वर्षा निगम, श्री प्रकाश भट्ट श्री, दिनेश अहिरवार, श्री दर्शन लाल जाटव, श्री प्रदीप राजपूत के साथ-साथ महाविद्यालय का संपूर्ण शैक्षणिक एवं कार्यालयीन स्टाफ उपस्थित रहा।

216वें दिन जारी रहा महापड़व

रीवा । सुअर पशु पालकों को मृत सुअरो का मुआवजा दिलाए जाने के साथ-साथ पशु चिकित्सा विभाग के प्रमुखों के खिलाफ कार्यवाही किये जाने को लेकर संयुक्त किसान मोर्चा की अगुवाई पर बसोर समाज का कलेक्ट्रेट रीवा के समक्ष महापड़व 216वें दिन रहा जारी मोर्चा के संयोजक शिव सिंह ने कहा कि सुअर पशुपालकों के आंदोलन के 7 माह पूरे हो चुके हैं लेकिन अभी तक प्रदेश में बैठे शिवराज सरकार ने गरीबों के पक्ष में कोई उचित कदम नहीं उठाया जिसका खामियाजा शिवराज सरकार को आने वाले चुनाव में उठाना पड़ेगा महापड़व में समाज के प्रमुख प्रदीप बसोर शकोचिल प्रसाद बसोर राजाराम उर्फ राजा बसोर बाबूलाल बंसल पार्षद शंकरलाल मलखान बंसल राजेश बंसल रमेश उर्फ राजभान गीता सुरेंद्र अमर बंसल राघव बंसल आदि आंदोलनकारी उपस्थित रहे महापड़व में मोर्चे के नेता बाबूलाल सेन प्रशाश्वत मौलिक अधिकार पार्टी समयालाल सहलाल प्रदेश अध्यक्ष सेन समाज शोभनाथ कुशवाह इंद्रीत सिंह शंखू सागर बौद्ध शामिल हुए महापड़व स्थल पर लगातार लंगर जारी है



पवई विधानसभा अंतर्गत आने वाले क्षेत्र का चहूमुखी विकास होना बहुत आवश्यक है-रिटायर्ड एसडीओ जवाहर कुशवाहा



संभागीय ब्यूरो गौरीशंकर कुशवाहा
पुष्पांजलि टुडे की खबर

पत्रा/पवई- पत्रा जिले के पवई विधानसभा अंतर्गत आने वाले कल्याण क्षेत्र में आने वाले गांव में इस समय कांग्रेस पार्टी से टिकट लेने के लिए क्षेत्र की जनता से भरपूर जनसंपर्क कर रहे हैं एवं क्षेत्र की समस्याओं को लेकर भी जागरूकता अभियान चला रहे हैं एवं भ्रमण कर रहे हैं कुशवाहा समाज के प्रदेश अध्यक्ष मान सिंह कुशवाहा जी ने

भी कहा है कि हमें जो टिकट प्राप्त होने हैं उन टिकटों में कांग्रेस पार्टी से पवई विधानसभा के लिए श्री कुशवाहा जी को मिलेगी क्योंकि पवई विधानसभा में 35000 कुशवाहा समाज के वोट एवं पत्रा जिला में तीनों विधानसभा में मिलाकर कॉल 80000 कुशवाहा समाज की वोट है जिसमें अभी तक जिले में कुशवाहा समाज को किसी पार्टी ने टिकट नहीं दिया इस बार कुशवाहा समाज जागरूक होकर भरपूर प्रयास कर रहा है ही पार्टी



पवई एवं पत्रा विधानसभा से सामान्य सीट होने के कारण कुशवाहा समाज को भी टिकट देना चाहिए जिस तहत पवई विधानसभा से कांग्रेस पार्टी से श्री जवाहर लाल कुशवाहा जी दावेदारी कर रहे हैं और जनता ने भी मन बना लिया है कि यदि कांग्रेस पार्टी से श्री कुशवाहा जी दावेदारी करते हैं तो पवई विधानसभा से जनता उन्हें विधायक के रूप में देखना चाह रही है उसी तहत जवाहर लाल कुशवाहा जी पवई के क्षेत्र में इटाय बराहों

मुकच्छु,सगरा, बखीर ककरी और एवं बहुत सारे गांव में भ्रमण किया और लोगों की समस्याओं को सुनकर प्रशासन से समस्या निराकरण की बात रखी जिसमे सबसे प्रमुख समस्या पानी की और बताया भी जब मैं एसडीओ था तो मैंने आपके क्षेत्र तेंदुघाट का बांध बंधवाया था जिससे हजारों किसान को फायदा मिल रहा है और पहाड़ी क्षेत्र में सर्वप्रथम पानी की व्यवस्था करेंगे जिससे और भी लोग भारी मात्रा में समर्थन मिल रहा है

कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मलिकार्जुन खड़गे को मिली जान से मारने की धमकी, मैनपुर थाना पहुंचे शहर कांग्रेस के नेता व कार्यकर्ता

मैनपुर में शहर कांग्रेस द्वारा नारेबाजी करते हुए एफआईआर दर्ज कराने थाने पहुंचे



संवाददाता हेमचंद्र नागेश मैनपुर-कर्नाटक विधानसभा चुनाव के दौरान भाजपा के उम्मीदवार द्वारा कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मलिकार्जुन खड़गे को जान से मारने की धमकी दी जाने का एक ऑडियो वायरल हो रहा है। इस पर आज मंगलवार को शहर कांग्रेस कमेटी मैनपुर अध्यक्ष रामकृष्ण ध्रुव के नेतृत्व में बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता और पदाधिकारियों ने तहसील मुख्यालय मैनपुर नगर में नारेबाजी करते हुए मैनपुर थाना पहुंचे शिकायत की। मैनपुर थाना पहुंचे कांग्रेस कार्यकर्ता और पदाधिकारियों

की हत्या का पड़ोस रच रही है। भाजपा उनके परिवार की हत्या की साजिश कर रही है। भाजपा नेता मणिकान्त राठौर की बातों से साफ है कि साजिश कर रहे हैं। जब जब ऐसे हालात बनते हैं हमारे नेताओं की हत्या करने पर तुली होती है। राजीव गांधी प्रचार कर रहे थे तो हत्या हुआ था। 9 बार के विधायक, तीन बार के सांसद हैं खड़गे जी। ये बात भाजपा को रास नहीं आ रही है, हत्या करके सत्ता पर कब्जा करना चाहते हैं। इसलिए कांग्रेस पूरे प्रदेश में खड़गे की मांग कर रहे हैं। महिला कांग्रेस अध्यक्ष प्रियंका कपिल और युवा कांग्रेस अध्यक्ष शाहिद मेमन ने कहा भाजपा कर्नाटक



में अपने संभावित हार से बौखला गई है और कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मलिकार्जुन खड़गे को जान से मारने की साजिश रच रही है कर्नाटक के भाजपा उम्मीदवार के खिलाफ तत्काल एफआईआर दर्ज कराने की मांग की है इस मौके पर शहर कांग्रेस अध्यक्ष रामकृष्ण ध्रुव, महिला कांग्रेस अध्यक्ष प्रियंका कपिल, युवा कांग्रेस अध्यक्ष शाहिद मेमन, जनपद सदस्य डाकेश्वर नेगी, ब्लाक महामंत्री गेन्दू यादव, सावंत शर्मा, जाकीर रजा, तनवीर राजपूत, इतियाज मेमन खेतन साहू, विनित बाधमार, त्रिभुवन पटेल, नीरा कपिल, दयाराम यादव, सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता शामिल थे।

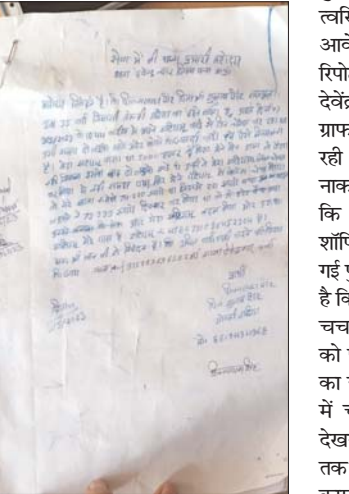
चोरो के आतंक से दहला देवेन्द्रनगर एक महीने में तीन बड़ी चोरियां खबर को प्रकाशित करने पर थाना प्रभारी शक्ति पांडे द्वारा दिया जाता है लीगल नोटिस का दबाव, चोरो को नही भय रहा देवेन्द्रनगर पुलिस का

पुलिस की कार्यप्रणाली में उठ रहे सवाल

संभागीय ब्यूरो गौरीशंकर कुशवाहा की पुष्पांजलि टुडे की खबर

देवेन्द्रनगर । इन दिनों देवेन्द्रनगर में जन चर्चा का विषय बनी देवेन्द्रनगर पुलिस जिसका अपराधियों एवं चोरों पर कोई भय और अंकुश नहीं दिखाई देता, जहां अप्रैल 2023 एवं मई के पहले सप्ताह में चोरो ने बैंक को ही टारगेट बनाया जहाँ चोरों द्वारा सुनियोजित ढंग से पहले तो नुनाही निवासी विजय बिल्डरिया की पत्नी से 3 लाख रुपये की चोरी का अंजाम दिया जिसकी घटना सी सी टीवी में कैद हो जाने के बाद भी नगर की सुस्त पुलिस पता नहीं लगा पाई ,वही एटीएम कार्ड बदल कर एटीएम से वंदना पांडेय के खाते से चोरों ने अडतीस हजार रुपये निकाल लिए जिसकी रिपोर्ट पुलिस थाना देवेन्द्रनगर में की गई जिसकी सी सी फुटेज भी उपलब्ध रही लेकिन आज दिनांक तक कोई पता नहीं चला पुलिस के इस निष्क्रिय रवैए को देखते हुए चोरों के हौसले इतने बुलंद हो चले हैं की आज फिर

शिवनारायण राजपूत निवासी गोल्हरी पाठक के एटीएम कार्ड बदल कर तिहत्तर हजार



नो सी न्यूनानवे रुपये की टगी कर नगर की खराब पुलिसिंग का उदहारण पेश करते

दिखाई दे रहे है इस घटना की सूचना भी पुलिस थाना देवेन्द्रनगर में दी गई जिस पर त्वरित सज्ञान लेने की जगह सिर्फ आवेदन की कॉपी दी गई है थाने द्वारा पकड़ी रिपोर्ट तक करना उचित नहीं समझा गया देवेन्द्र नगर थाना में इस समय चोरियों का ग्राफ बढ़ रहा है और दिनदहाड़े चोरी हो रही है और पुलिस चोर को पकड़ने में नाकामयाब साबित हो रही है। गौरतलब है कि राजपूत के एटीएम से तो चोरो द्वारा शॉपिंग की गई है जो कार्ड में अंकित हो गई पुलिस के लिए सबूत है और चैलेंजिंग है कि चोर को कैसे पकड़ा जाए। लोगों मे चर्चा का विषय है कि जब पुलिस ही चोरो को पकड़ने में नाकाम है तो आम आदमी का जीवन कैसे सुरक्षित रहेगा वही जनता में चोरो ने दहशत फैलाई रखी है अब देखा है कि देवेन्द्रनगर पुलिस कब तक कस्बे में चोरियों को पता लगाने में कामयाब होगी। नगर के थाने के नेतृत्व को लेकर भी खुशुर फुसुर का दौर शुरू हो गया है

दतिया कलेक्टर श्री कुमार ने जनसुनवाई में सुनी लोगों की समस्याएं



संदीप प्रधान दैनिक पुष्पांजलि टुडे की रिपोर्ट
दतिया, राज्य शासन की मंशा के अनुरूप मंगलवार को आज कलेक्टर श्री संजय कुमार की उपस्थिति में जनसुनवाई न्यू कलेक्टर के सभा कक्ष में प्रातः 11:00 बजे से शुरू हुई। कलेक्टर श्री कुमार ने अधिकारियों के साथ जिले के विभिन्न स्थानों से आए लोगों की समस्याओं को पूरी गंभीरता एवं संवेदनशीलता के साथ सुनते हुए निराकरण के अधिकारियों को निर्देश दिए। जन सुनवाई के दौरान जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री कमलेश भागवत सहित जिला अधिकारी आदि उपस्थित थे।

श्री राजेन्द्र सिंह क्रिकेट अकादमी ने डी टी सी ए एकडेमी को 10 विकेट से हराया

अलीगढ़ डिस्ट्रिक्ट क्रिकेट एसोसिएशन के तत्वाधान में खेला गया क्रिकेट मैच श्री राजेन्द्र सिंह क्रिकेट अकादमी एवं डी टी सी ए क्रिकेट अकादमी के बीच क्रिकेट मैच श्री राजेन्द्र सिंह इंटरनेशनल स्कूल के क्रिकेट ग्राउंड पर खेला गया। स्कूल के निदेशक अक्षय सिंह ने बताया कि आज यह क्रिकेट मैच दोनों ही अकादमी के बीच खेला जा रहा है दोनों ही टीम अपना शत प्रतिशत योगदान देंगी। मेरी यही शुभकामनाएं हैं खेल को खेल भावना से खेलना चाहिए। स्कूल के प्रधानाचार्य एम एल कौशिक ने बताया कि हमारे स्कूल के खेल मैदान पर निरंतर क्रिकेट मैच खेले जाते हैं। स्कूल के विद्यार्थियों के लिए सभी खेलों की सुविधा बहुत ही शानदार तरीके से की जा रही है।

सामूहिक विवाह 11 जोड़ों के विवाह संस्कार मंत्रोच्चार के साथ हुए संपन्न



पुष्पांजलि टुडे / नारायणलाल सेंगचा

राजगढ़। रविवार को अखिल भारतीय सिर्वा समाज मध्य प्रदेश राजगढ़ द्वारा आयोजित 14 वा सामूहिक विवाह का आयोजन बड़े हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ। सामूहिक विवाह में हथों में मेहंदी और आंखों में नए सपने लेकर वर वधु वन मंडप में पहुंचे थे। जहां दोनों ने एक दूसरे का हाथ थाम कर नव जीवन की शुरुआत की। ऐसे एक नहीं बल्कि 11 जोड़ों ने सात फेरे लेकर अपने जीवन साथी का हाथ थामा और वैवाहिक जीवन कि शुरुआत की। सर्वप्रथम महिला संगठन सरदारपुर द्वारा गणेश पूजन किया। जिसके बाद ब्राह्मणों के सानिध्य में गंगा पूजन किया गया। पंडित संजय शर्मा के सानिध्य में मंत्रोच्चार के साथ शुभ विवाह का आयोजन किया गया। जिसमें वर-वधु ने अनि को साक्षी मानकर सात फेरे लिए। पंडित शर्मा ने फेरों के वचनों को पढ़कर नव युगल जोड़ों को अपने जीवन में अपनाते को कहा। सामूहिक विवाह समिति अध्यक्ष भागीरथ हामड ने स्वागत भाषण दिया। श्री आईजी विद्यापीठ अध्यक्ष जगदीश राठौर, क्षेत्रिय सिर्वा समाज राजगढ़ ट्रस्ट अध्यक्ष भीमालाल चौधरी प्रांतीय कोषाध्यक्ष प्रेम सोलंकी दलपुत्र, ट्रस्ट सचिव रमेश सतपुड़ा व विभिन्न पदाधिकारियों ने अतिथियों का तिलक व दुपट्टा डाल स्वागत किया गया। जिसके बाद आईजी संग्रह तृतीया का विमोचन अतिथियों के सानिध्य में किया गया सिर्वा समाज मध्य प्रदेश के प्रांतीय अध्यक्ष सीए भगवान लखेटा ने कहा कि आईजी संग्रह तृतीया पुस्तक में मध्यप्रदेश सिर्वा समाज के ऐसे

नए कीर्तिमान हासिल कर रहा है। विधायक ग्रेवाल ने वर वधु को आशीर्वाद देकर आईजी विद्यापीठ ट्रस्ट की बाउंड्री वॉल के लिए ग्याह लाख रुपए (110000) देने की घोषणा की। मंचासीन अतिथियों की मौजूदगी में आयोजित संग्रह तृतीया का विमोचन किया गया। जिसमें मातृशक्ति भी मौजूद थी। सामूहिक विवाह कार्यक्रम में सहयोग तथा दानदाताओं को आयोजक समिति की ओर से मां आई जी की तस्वीर भेंट की गई। उक्त कार्यक्रम में बड़ी संख्या में मध्य प्रदेश के समाज जन मौजूद थे। आयोजन में स्वल्पाहार के साथ भोजन की भी व्यवस्था थी। राजगढ़ पुलिस द्वारा दिन भर मुस्तैद रही। कार्यक्रम का संचालन मदन चौलल रिंगनेद व रोहित काग रतनपुरा ने किया। आभार जिला अध्यक्ष डॉ मुनालाल भायल ने माना।



युवक युवतीया है जिनकी शादी होना बाकी है। आईजी संग्रह तृतीया के विमोचन से युवक-युवतियों को अपने लायक वर वधु चुनने में आसानी होगी क्योंकि इसमें शादी योग युवक-युवतियों की संपूर्ण जानकारी उपलब्ध है। साथ ही समाज को नई दिशा मिलेगी। मध्य प्रदेश के उद्योग मंत्री राजवर्धन सिंह दत्तागंज ने नव दंपतियों को आशीर्वाचन देते हुए सिर्वा समाज ट्रस्ट राजगढ़ की मांग पर विधायक की बाउंड्री वॉल बनवाने की बात की। सरदारपुर विधायक प्रताप ग्रेवाल ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि सिर्वा समाज शुरू से कृषि आधारित समाज रहा है परंतु अब कृषि के साथ शिक्षा, व्यापार तथा विभिन्न क्षेत्रों में नित नए आयाम हासिल कर रहा है। मां आई जी की कृपा तथा धर्मगुरु दीवान साहब के शुभआशीर्वाद से प्रतिदिन

नारी सम्मान योजना महिलाओं के जीवन में वरदान साबित होगी :चौ. राकेश सिंह

कांग्रेस ने हमेशा ही नारियों का सम्मान किया : सिद्धार्थ

दैनिक पुष्पांजलि टुडे प्रेस कांफ्रेंस में दी योजना की जानकारी

भिण्डा। मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ द्वारा आज 9 मई

कुशवाहा, डा.राधेश्याम शर्मा की उपस्थिति में जिला कांग्रेस कार्यालय पर प्रेसवार्ता आयोजित कर शुभारंभ किया। पूर्व मंत्री चौ. राकेश चतुर्वेदी ने कहा मध्यप्रदेश की निवासी महिलाओं को विधानसभा चुनाव

चुनावी शिगूफा है, लेकिन कमलनाथ के नेतृत्व में बनने वाली कांग्रेस सरकार इस योजना को लागू करने के लिए पूर्णता वचनबद्ध है। जबकि भाजपा की लाडली बहिन योजना में कई खामियां हैं जिसमें कई हमारी माताएं बहनें इस योजना का लाभ से वंचित रहेगी। प्रदेश प्रवक्ता सिद्धार्थ सिंह राजावत ने कहा कांग्रेस पार्टी हमेशा से ही महिलाओं के प्रति संवेदनशील रही है, सरकारी नौकरी हो या चुनाव सभी में कांग्रेस की सरकार ने उन्हें 33 प्रतिशतआरक्षण देकर ये साबित कर दिखाया है। वहीं संगठन प्रभारी वासुदेव शर्मा ने इस योजना को कांग्रेस पार्टी का मास्टर स्ट्रोक बताते हुए महंगाई से राहत बताने वाला बताया। जिला कांग्रेस अध्यक्ष मानसिंह कुशवाहा ने इस योजना के फायदे भरने के लिए कांग्रेस कार्यकर्ताओं से घर घर जाने का निर्देश दिया। दीपक जोशी का कांग्रेस में शामिल होना भाजपा की उल्टी गिनती शुरू प्रेसवार्ता में पूर्व मंत्री राकेश सिंह चतुर्वेदी ने भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा पूर्व मंत्री दीपक जोशी पूर्व मुख्यमंत्री के पुत्र हैं और एक अच्छे कार्यकर्ता हैं वो हमारे साथ पढ़े हैं, उनका कांग्रेस में शामिल होना पार्टी के लिए लाभदायक साबित होगा साथ ही भाजपा की उल्टी गिनती शुरू हो गई है, अभी कौन कौन आया ये समय आने पर पता चलेगा। प्रेसवार्ता में शहर अध्यक्ष डा.राधेश्याम शर्मा,धर्मद भदौरिया,प्रवक्ता अनिल भारद्वाज,सदीप मिश्रा,रेखा भदौरिया, इशदा अहमद,राहुल कुशवाहा, कल्पना मिश्रा,विष्णुकांत शर्मा,अरविंद बबेल, चतुर सिंह नरवारिया,शांति कुशवाहा,अरविंद सोनी,जितेंद्र जैन , संजीव बरुआ आदि कार्यकर्ता उपस्थित रहे।



को मध्यप्रदेश के छिंदवाड़ा के पारसिया से महिलाओं को संबल प्रदान करने वाली जनकल्याणकारी नारी सम्मान योजना का शुभारंभ किया गया है। इसके साथ ही भिण्डा में पूर्व मंत्री चौधरी राकेश सिंह चतुर्वेदी, प्रदेश प्रवक्ता सिद्धार्थ सिंह कुशवाहा,जिला कांग्रेस प्रभारी वासुदेव शर्मा, जिला अध्यक्ष मानसिंह

उपरोत बनने वाली कमलनाथ की सरकार द्वारा पांच सौ रूपया प्रति गैस सिलिण्डर एवं 1500 रूपये प्रतिमाह संबल के तौर पर उनके खाते में डाले जाएंगे। और इस तरह प्रदेश की प्रति महिला एवं उनके परिवार को 25 हजार रूपये वार्षिक आर्थिक सहायता प्राप्त होगी। श्री चौधरी ने कहा भाजपा की लाडली बहिन योजना

कांग्रेस अध्यक्ष शारदा पाठक, जिला प्रभारी सैनी के विरोध में जमकर प्रदर्शन, कार्यकर्ताओं ने पद से हटाने से लेकर लगाये नारे

संभागीय ब्यूरो गौरीशंकर कुशवाहा पुष्पांजलि टुडे की खबर

पन्ना- जिला मुख्यालय से लेकर गुनौर, देवेन्द्र नगर, मे जले पुतले आदिवासी दलित क्रांति सेना ने उपेक्षा को लेकर किया था प्रदर्शन पन्ना/विगत दिनों जिला कांग्रेस कमेटी की घोषित कार्यकारणी को लेकर व मनमाने ढंग से चुनावी वर्ष में चार ब्लाक अध्यक्षों को हटाये जाने को लेकर लगातार कांग्रेस पार्टी में विरोध जारी है। पूर्व में भी कुछ कांग्रेसी नेताओं द्वारा पन्ना में गांधी प्रतिमा के सामने प्रदर्शन किया गया था। जिसको लेकर कांग्रेस अध्यक्ष तथा प्रभारी द्वारा उक्त नेताओं को नोटिस भी जारी कराये गये थे। लेकिन इस सब के बावजूद भी कांग्रेस अध्यक्ष श्रीमती पाठक व जिला प्रभारी श्री सैनी का विरोध धमने का नाम नहीं ले रहा है। जहां एक ओर कांग्रेस कमेटी पन्ना द्वारा पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ की महत्वकांक्षी नारी सम्मान योजना का बचन पत्र जारी करने का कार्यक्रम पूरे प्रदेश में शुरू किया जा रहा है। वहीं पन्ना जिले में चल रही कांग्रेस पार्टी की उथल पुथल के कारण आज कांग्रेस को हमेशा समर्थन करने वाली आदिवासी दलित क्रांति सेना बुन्देलखंड ने पन्ना, देवेन्द्रनगर, गुनौर में एक साथ जिला प्रभारी समिति सैनी एवं जिला अध्यक्ष शारदा पाठक द्वारा जिले की कार्यकारणी में व ब्लाको में अध्यक्ष पद पर आदिवासी, दलित, पिछड़ा, अल्पसंख्यक वर्ग को उचित प्रतिनिधित्व न देने के विरोध में पन्ना जिला मुख्यालय, गुनौर, देवेन्द्रनगर में पुतला फूंका व प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष कमलनाथ के नाम ज्ञापन भेजते हुए कार्यवाही

की मांग की है। जिला मुख्यालय गांधी चौक में हुए प्रदर्शन के दौरान आदिवासी नेता जगदेव सिंह खज्जू राजा ने कहा कि कमलनाथ एक ओर महिलाओं के सम्मान में नारी सम्मान योजना लाने की बात कर रहे हैं। जिसके लिए आदिवासी दलित क्रांति सेना बुन्देलखंड प्रशंसा करती है, वहीं दूसरी ओर जिला कांग्रेस अध्यक्ष की शारदा पाठक व जिला प्रभारी सम्मत सैनी की अनुभव हीनता और अक्षम नेत्रत्व के चलते आदिवासी, दलित, महिलाओं को कार्यकारणी में पर्याप्त स्थान न देकर उनकी उपेक्षा की गई है, वहीं संगठन के संयोजक केपी सिंह बुन्देला ने अपने संबोधन में कहा कि प्रदेश अध्यक्ष कमलनाथ कांग्रेस पार्टी को लगातार मजबूत बनाने के लिए प्रत्येक वर्ग को साथ में लेकर चल रहे हैं, वहीं दूसरी ओर पन्ना जिले का कांग्रेस नेत्रत्व पार्टी के परमपरागत



वोट की उपेक्षा कर पार्टी को नुकसान पहुंचा रहा है। ज्ञापन प्रदेश अध्यक्ष श्री कमलनाथ से मांग की गई है कि यदि श्रीमती शारदा पाठक एवं जिला

प्रभारी को प्रथक नहीं किया गया तो आदिवासी, दलित क्रांति सेना मजबूर हो कर पन्ना जिले की तीनों विधानसभाओं में बूथ स्तर पर श्रीमती शारदा पाठक और जिला प्रभारी का जन जागरण अभियान चलाकर विरोध करेगा एवं पुतला दहन सहित अनेक कार्यक्रम चलायेगा। पन्ना में आयोजित गांधी चौक में कार्यक्रम में प्रमुख रूप से सुरेन्द्र सिंह ठाकुर जिला अध्यक्ष, गर्जन सिंह आदिवासी, ओमकार सिंह आदिवासी, श्रीमती जनका बाई आदिवासी, दीपक पटेल, हरपाल पटेल, वीरन सिंह आदिवासी, राजेन्द्र सिंह आदिवासी, राजाराम आदिवासी, साहब सिंह मरावी, गोरेलाल आदिवासी, मुन्नीलाल वंशकार, अशोक अहिरवार, अनिल अहिरवार, अभीषेक चौरसिया, जीतेन्द्र द्विवेदी, रममुनि गौड़, हल्काई आदिवासी, प्रमोद वैन, संगठन प्रवक्ता सहित काफी संख्या में लोग उपस्थित रहे।



माधव श्री प्रसादम' मांगलिक भवन का शुभारंभ करने आंगे सिर्वा समाज धर्मगुरु दीवान माधवसिंह

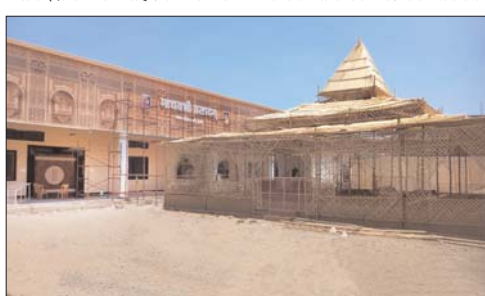
11 मई को मंगल कलश यात्रा के साथ सहस्र चण्डी महायज्ञ का होगा शुभारंभ

पुष्पांजलि टुडे

कुशी। नगर में क्षेत्रिय सिर्वा समाज द्वारा श्री आईजी रोड स्थित नवनिर्मित माधव श्री प्रसादम-मांगलिक भवन का भव्य शुभारंभ आईंध के धर्मगुरु दीवान माधवसिंह जी के कर कमलो से 17 मई को होगा। सिर्वा समाज सकल पंच कुशी अध्यक्ष एवं अखिल भारतीय सिर्वा महासभा के प्रांतीय महासचिव कान्तिलाल गेहलोत ने बताया कि 11 से 17 मई 2023 तक होने वाले आयोजन को लेकर लगभग तैयारी की जा चुकी है। यज्ञाचार्य शास्त्री केलालचन्द्र शर्मा एवं वाराणसी

पण्डित घनश्याम चाश कुशी के मार्गदर्शन में सहस्र चण्डी

धाम, संत अयोध्यादास जी कनक धाम कोटेश्वर का आगमन



महायज्ञ होगा। इस आयोजन में धर्मगुरु दीवान माधवसिंह जी, संत योगेश जी महाराज बालीपुर

होगा। उनके सम्मान में 16 मई को दोपहर भव्य शोभायात्रा नगर के प्रमुख मार्ग से निकाली

जायेगी। रात्रिकालीन रंगारंग कार्यक्रम भी होगा। सप्तदिवसीय आयोजन के सुचारु संचालन को लेकर यज्ञ हवन समिति,भोजन प्रसादी समिति,मंच एवं शोभायात्रा समिति, कलश यात्रा व रात्रिकालीन कार्यक्रम समिति सहित अनेक सम्विधो को दायित्व सौंपा गया है। सिर्वा समाज सकल पंच अध्यक्ष कान्तिलाल गेहलोत, उपाध्यक्ष बाबूलाल गेहलोत, कोषाध्यक्ष रमेश काग,कोटवाल कैलाश काग, वरिष्ठ पंच गोमाजी सेप्टा, बाबूलाल मुलेवा, मंगाजी बर्फा ने महोत्सव में पधारकर धर्म लाभ प्राप्त करने का आह्वान किया।

दर्दनाक हादसा : रेलिंग तोड़ पुल से गिरी यात्री बस,50 ज्यादा यात्री थे सवार, मची चीख पुकार

ग्रामीणों की मदद से निजी वाहनों से घायलों को पहुंचाया अस्पताल

खरगोन से मुन्ना खान पुष्पांजलि टुडे

खरगोन। जिले के ग्राम श्रीखण्डी से इंदौर के लिये निकली यात्री बस डोंगरगांव के समीप हादसे की शिकार हो गई। बस करीब 30 फिट ऊंचाई से बस नदी में गिरी, जिससे यात्रियों को गम्भीर चोटें आईं। सूचना के

बाद जहां जिला अस्पताल सहित प्रशासनिक महकमे में हड़कंप मच गया वहीं घायलों के परिजनों के बीच अफरातफरी मच गई। मिली जानकारी अनुसार हादसा इतना दर्दनाक था कि कई यात्री बस में फंसे रह गए जिन्हें मशकत के बाद बस से निकाला जा सका। ग्रामीणों ने बिना

प्रशासन की मदद की राह देखे बचाव कार्य शुरू किया और निजी वाहनों से घायलों को अस्पताल पहुंचाया। अस्पताल पहुंचे घायलों के परिजनों ने बताया किसी के रिश्तेदार शारी में तो कोई मजदूरी तो कोई रिश्तेदारों के यहां जा रहा था। समाचार लिखे जाने तक जिला

अस्पताल में 10 लोगों को भर्ती किया गया, जिनमें महिला, पुरुषों केसाथ बच्चे शामिल है। वहीं जिला अस्पताल से तीन लोगों की मौत की पुष्टि की है, जबकि घटना स्थल पर 15 लोगों की मौत के समाचार है। बताया जा रहा है कि बस में लगभग 50 यात्री सवार थे।

सिद्धपुर के पास देथली में स्पिंकल टाउन वॉटर रिजॉर्ट आकर्षण का केंद्र



निल कुमार, पुष्पांजलि टुडे सिद्धपुर/पाटन/गुजरात। छुट्टियों और गर्मी के मौसम में स्पिंकल टाउन वॉटर पार्क में बच्चों और उनके परेंट्स खास मुलाकात लेते हैं चूँकि स्पिंकल टाउन वॉटर पार्क बहुत ही सुंदर और मनोरम वातावरण में बना है, इसलिए बड़ी संख्या में पर्यटक वर्तमान में इस

वाटर पार्क में आने का लुत्फ उठा रहे हैं। पाकिंग सुविधा, खाने-पीने की सुविधा, पोशाक सुविधा, लॉकर सुविधा और विशेष रूप से छोटे बच्चों के लिए अलग स्विमिंग सुविधा के कारण माता-पिता अपने बच्चों को विशेष रूप से यहां लाते हैं। तरह- तरह की राइड्स के कारण युवा भी

यहां विशेष आनंद के लिए आते हैं। हमारे संवाददाता से बातचीत में हासिम भाईने कहा कि चूँकि यहाँ नजदिक में वाटरपार्क है इसलिए पाटन जिले के साथ-साथ अन्य क्षेत्रों से भी पर्यटक घूमने आते हैं और हम सक्रिय रूप से उन्हें पूरी तरह से संतुष्ट करने का प्रयास करते हैं।

आदर्श-मूल्यविहीन चुनावी रणनीति का दौर

चुनाव हमारे जनतंत्र की निरंतर चलने वाली प्रक्रिया का नाम है। आजादी के बाद जब चुनावों का सिलसिला शुरू हुआ तो पांच साल बाद चुनाव का शोर सुनाई देता था, पर अब तो आये दिन चुनाव होते रहते हैं, कभी पंचायतों के, कभी विधानसभाओं के और कभी संसद के। मेघालय, त्रिपुरा, हिमाचल प्रदेश आदि के चुनाव खत्म हुए नहीं थे कि कर्नाटक के चुनाव आ गये। इसके बाद नम्बर राजस्थान, छत्तीसगढ़ आदि राज्यों का है और फिर 2024 में तो आम चुनाव हैं ही। इस सबके चलते ही ऐसा लगता है, जैसे हमारे नेता चुनाव-प्रचार में ही लगे रहते हैं। यह भी समझ नहीं आता कि वे राजकाज की चिंता कब करते हैं और कब सत्तारूढ़ दल चुनाव-प्रचार कर रहा होता है। इसी का परिणाम है कि हमारी समूची राजनीति एक चुनाव से दूसरे चुनाव तक सिमट कर रह गयी है।

इस सबके बावजूद चुनावों का स्वागत ही होना चाहिए, क्योंकि यह चुनाव ही जनता को अवसर देते हैं अपने नेताओं से यह पढ़ने का कि वे जनता के हितों के लिए क्या और कैसे काम कर रहे हैं। यह मौका होता है सत्तारूढ़ दल के लिए अपने किये का लेखा-जोखा देने का और विपक्ष के लिए यह बताने का कि बेहतर शासन देने के लिए उसके पास क्या योजनाएँ हैं, कौन-सी नीतियाँ हैं। पर क्या सचमुच ऐसा होता है?

हां, घोषणापत्रों के जरिये ऐसा कुछ बताने-जताने की कोशिश तो होती है, पर जिस तरह चुनाव-प्रचार के अखिरी दिनों तक घोषणापत्र जारी करने की प्रतीक्षा की जाती है उससे तो यही लगता है कि घोषणापत्र या संकल्प-पत्र आदि तो जैसे एक परम्परा निभाने की चीज बन कर रह गये हैं। समूचा चुनाव-प्रचार इस बात की गवाही दे रहा है कि घोषणा-पत्र और नीतियाँ-कार्यक्रम आदि हाथी के दिखाने वाले दांत मात्र हैं। खाने



के दांत तो वह आरोप-प्रत्यारोप हैं जो हमारे राजनीतिक दल एक-दूसरे पर लगाते हैं। कभी धर्म के नाम पर मतदाता को भ्रमाया जाता है, कभी जाति के नाम पर। कभी उम्मीदवारों और अन्य प्रतिपक्षी राजनेताओं के व्यक्तिगत जीवन की परतें उभेड़ी जाती हैं और कभी सच्चे-झूठे आरोप लगा कर घटिया राजनीति का उदाहरण प्रस्तुत किया जाता है। विचार नहीं, व्यक्ति को केंद्र में रख कर चुनाव-प्रचार को धार दी जाती है। चुनाव-प्रचार का एक और तरीका 'विक्टिम कार्ड' खेलने का है। अंग्रेजी के इस शब्द का अर्थ है अपने

साथ होने वाली ज़्यादाती की कथा सुना कर मतदाता को प्रभावित करना। यह कोशिश कहाँ तक जा सकती है, इसका ताज़ा उदाहरण सत्तारूढ़ पार्टी के प्रचार-तंत्र द्वारा प्रधानमंत्री को कहे गये कथित अपशब्दों की संख्या प्रचारित करना है। स्वयं प्रधानमंत्री ने कर्नाटक की एक चुनावी-सभा में इस आकलन का हवाला देते हुए कहा है कि किसी ने गिनती करके बताया है कि विपक्ष अब तक उन्हें इक्यान्वे अपशब्द कह चुका है। अपशब्द कहने का मतलब है गाली देना। यह शब्द लिखे जाने तक इन 'गालियों' में एक की वृद्धि हो गयी है। भाजपा

के प्रचारक यह कहते फिर रहे हैं कि कांग्रेस अध्यक्ष के पुत्र ने प्रधानमंत्री मोदी को 'नालायक बेटा' कह कर अपराधिक काम किया है। इससे पूर्व स्वयं कांग्रेस अध्यक्ष पर यह आरोप लग चुका है कि उन्होंने भी 'जहरीला सांप' कहा था। मजे की बात यह है कि इस तरह से शब्दों का राजनीतिक लाभ उठाना एक पार्टी को बचूनी आता है। 'मौत का सौदागर' या 'हितलर' जैसे शब्दों को चुनावों में किस तरह से भुनाया जा सकता है इसके उदाहरण पिछले चुनावों में हम देख चुके हैं। सवाल इस बात का भी नहीं है कि किसने किसको कितने ज़्यादा अपशब्द कहे, सवाल इस बात का है कि नीतियाँ या कार्यक्रम चुनाव-प्रचार का हिस्सा क्यों नहीं बनते? अपशब्दों की यह राजनीति कुल मिला कर हमारी शानदार जनतांत्रिक परम्परा को कलंकित ही कर रही है। सवाल प्रधानमंत्री अथवा कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष के प्रति अशालीन और अनुचित शब्दों के प्रयोग का नहीं, ऐसे शब्दों को हमारी राजनीति का हिस्सा बनने की शर्माक स्थिति का है। यह घटिया राजनीति का उदाहरण है और ऐसी घटिया राजनीति के लिए हमारी जनतांत्रिक परम्परा में कोई स्थान नहीं होना चाहिए। ऐसा नहीं है कि यह प्रवृत्ति चुनावी-प्रचार के दौरान ही दिखाई देती है, विधान सभाओं और संसद तक में ऐसी घटिया राजनीतिक काम में ली जाती है। लोकसभा और राज्यसभा के पीठासीन अधिकारियों द्वारा सदस्यों के बोले शब्दों के कार्रवाई से हटाने के बेशुद्ध उदाहरण हैं। यह सही है कि कई बार 'कार्रवाई से हटाने' के आदेशों पर राजनीतिक उद्देश्यों के आरोप भी लगे हैं, लेकिन इससे 'असंसदीय भाषा' अपनाने की अनुमति नहीं

मिल जाती। असंसदीय शब्द बहुत शालीन है। हमारे राजनेता जिस तरह के शब्दों का इस्तेमाल अवसर करते दिखाई देते हैं, उन्हें सिर्फ अशालीन ही कहा जा सकता है और सभ्य राजनीति में अशालीनता के लिए कोई स्थान नहीं होना चाहिए। ऐसी अशालीनता तो अपराधिक है ही, नेताओं द्वारा विरोधी को ऐसी चूक का राजनीतिक लाभ उठाना भी अनुचित ही है। जितना गलत 'जहरीला सांप' कहना है, उतना ही गलत ऐसी चूक का राजनीतिक लाभ उठाना भी है। परिपक्व और सभ्य राजनीति में ऐसी चूक का लाभ उठाने की प्रवृत्ति के लिए कोई स्थान नहीं होना चाहिए। झूठे-सच्चे व्यक्तिगत आरोप हमारी राजनीति का हिस्सा नहीं बनने चाहिए, चुनाव-प्रचार नीतियों और कार्यक्रमों के आधार पर होना चाहिए। 75 साल का हो चुका है हमारा जनतंत्र। हमारी जनतांत्रिक परम्परा का एक शानदार इतिहास रहा है। आज आवश्यकता एक शानदार इतिहास रचने की है। जो नेता जितना बड़ा है, उतना ही बड़ा उसका यह दायित्व है कि वह जनतांत्रिक परम्परा को बढ़ावा दे। मुझे याद है देश के पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू का पहला भाषण मई 1957 के चुनाव-प्रचार के दौरान सुना था। तब उन्होंने कहा था, इस क्षेत्र के हमारे उम्मीदवार का नाम मुझे याद नहीं, पर मैं आपसे यह कहने आया हूँ, कि आप कांग्रेस की रीति-नीति के आधार पर उसे वोट दें। स्वस्थ राजनीति का यह उदाहरण हम हमारी राजनीति में कब देखने को मिलेगा? कब सिद्धांतों की राजनीति होगी? आदर्श-मूल्यों के आधार पर कब चुनाव लड़े जाएंगे। कब गालियाँ देने और गिनने के बजाय अच्छे-बुरे काम गिने-गिनाने जाएंगे?

संपादकीय ग्लोबल वार्मिंग की चेतावनी महसूस कीजिए

मई की शुरुआत में जब पूरा देश लू की चपेट में होता है उस समय जब लोगों को गरम कपड़ों की जरूरत महसूस होने लगे तो समझ लेना चाहिए कि ग्लोबल वार्मिंग के संकेत न दरवाजे पर दस्तक दे दी है। कहने को यह मौसम पश्चिमी विश्व की देन है लेकिन सवाल यह है कि समुद्र के मिजाज में यह परिवर्तन क्यों आ रहा है। बताया जा रहा है कि दस मई तक किसी भी इलाके में गरम लहरें नहीं महसूस होंगी। तमाम इलाकों में बारिश व ओलावृष्टि तथा पहाड़ी इलाकों में बर्फबारी हैरत में डाल रही है। कमोबेश देश के अधिकांश भागों में मौसम के मिजाज में यह तीव्र बदलाव महसूस किया गया है। दिल्ली समेत उत्तर भारत के कई राज्यों में सुबह धुंध जैसी स्थिति नजर आई है। लोग अब ही इस मौसम को सुहावना बता रहे हैं, लेकिन किसान अभी खेतों में खड़ी फसल को पूरी तरह काट नहीं पाये हैं। यदि अन्न बर्बाद होता है तो हमारी खाद्य शृंखला भी प्रभावित हुए बिना नहीं रह सकेगी। महंगाई की मार से हमें दो-चार होना पड़ेगा। यही वजह है कि किसान के माथे पर भी चिंता की लकीरें हैं। निरसंदेह, जब मई के महीने में फरवरी-मार्च के मौसम का अहसास होने लगे तो इसे खतरे की घंटी के तौर पर देखा जाना चाहिए। ये हाल उस मौसम में है जब देश के विभिन्न भागों में भीषण गर्मी पड़ती है और तापमान पचास डिग्री सेल्सियस तक जा पहुंचता है। इस समय सूर्य पूरे ताप के साथ नजर आता है। हालांकि, अप्रैल में कुछ समय भरपूर गर्मी रही लेकिन बाद में माह के अंत और मई की शुरुआत में तापमान अचानक बदल गया। यह स्थिति सिर्फ उत्तर भारत में ही हो, ऐसा भी नहीं है। इसका प्रभाव दक्षिणी, पश्चिम, मध्य व पूर्वी भारत में भी नजर आ रहा है। यहां तक कि कई इलाकों में तापमान में दस डिग्री सेल्सियस तक गिरावट दर्ज की गई। मौसम के मिजाज में आये इस अप्रत्याशित बदलाव को देखकर लोग हैरत में हैं कि क्या वाकई ये मई का महीना है? क्या गर्मी आएगी भी? दरअसल, जिस समुद्री व्यवहार में बदलाव को इस मौसम की वजह बताया जा रहा है, उसके निकट भविष्य में फिर दोहराये जाने की बात भी कही जा रही है। कमोबेश भारत ही नहीं, पूरे यूरोप भी में मौसम की ऐसी तल्खी नजर आ रही है। तमाम यूरोपीय देशों में तापमान के रिकॉर्ड टूट रहे हैं। यह कटु सत्य है कि जब भारत में ठंड का अहसास हो रहा है तो पृथ्वी का तापमान बढ़ रहा है। वहीं दक्षिण भारत में तेज बारिश से तापमान में गिरावट आई है। सभी राज्यों में मई में रिकॉर्ड बारिश दर्ज की गई है। पूर्वोत्तर भारत में ऐसी ही स्थिति है। भविष्य में कई राज्यों में तूफान व बारिश की भविष्यवाणी की जा रही है। कुछ लोग पाकिस्तान की तरफ से अरब सागर के जरिये उठने वाले वातावरणीय दबाव को बारिश व तूफान का कारण बता रहे हैं। जिसके चलते मौसम के रोज नये रिकॉर्ड बन रहे हैं। वैज्ञानिक अनुसंधान में जुटे हैं कि किस वजह से इस साल फरवरी के महीने में अप्रत्याशित गर्मी पड़ी थी। बताते हैं कि पिछली पूरी सदी में भी पृथ्वी फरवरी में कभी इतनी गर्म नहीं रही। वैज्ञानिकों का अनुमान है कि इस साल अभी नौ बार पश्चिमी विश्व का असर नजर आयेगा। जिसकी वजह से बार-बार मौसम में बदलाव महसूस होंगे। आखिर क्या वजह है कि जब भारत में तापमान में गिरावट दर्ज की जा रही है तो यूरोप, कनाडा व उत्तरी एशिया में तापमान में लगातार वृद्धि महसूस की जा रही है। ग्लोबल वार्मिंग का प्रभाव देखिये कि एक समय में कहीं बाढ़ तो कहीं सूखे की स्थिति है। कहीं गर्मी में सर्दी का अहसास हो रहा है तो कहीं ठंडे इलाकों में लगातार गर्मी बढ़ रही है। सबसे बड़ा डर इस बात का है कि भारत में ग्लेशियरों पर पिघलने का खतरा बढ़ता जा रहा है।

गैस आधारित अर्थव्यवस्था के लिए युक्तिकरण और सुधार न्यायिक सक्रियता का नया दौर!

गैस आधारित अर्थव्यवस्था का युक्तिगत बनाने के क्रम में सुधार करना हमें पुरी मोदी सरकार भारतीय उपभोक्ताओं को अंतरराष्ट्रीय तेल और गैस की कीमतों में उतार-चढ़ाव से बचाने के लिए कई उपाय कर रही है। जनवरी, 2021 से फरवरी, 2023 के बीच अंतरराष्ट्रीय गैस की कीमतों में 228 प्रतिशत की अत्यधिक वृद्धि के बावजूद, भारत में सीएनजी की कीमतों में वृद्धि के 83 प्रतिशत तक सीमित रखा गया है, जो वैश्विक वृद्धि का केवल एक तिहाई है। राजनीतिक तौर पर विरोध करने वाले, बढ़ती कीमतों की आलोचना करने की हड़बड़ी में, यह देखने में विफल रहते हैं कि अन्य प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं की तुलना में भारत ने अपने नागरिकों को अत्यधिक मूल्य अस्थिरता से बचाने के लिए कितने अच्छे कदम उठाये हैं। घरेलू प्रशासित मूल्य व्यवस्था (एपीएम), गैस आवंटन को बढ़ाने और गैर-प्रार्थमिकता वाले क्षेत्रों से परिवहन और घरेलू क्षेत्रों में गैस का आवंटन करने जैसे सक्रिय उपायों के माध्यम से दूरदर्शी शासन व्यवस्था ने इसे संभव बनाया है। हाल ही में, महत्वपूर्ण एपीएम गैस मूल्य निर्धारण सुधारों की एक श्रृंखला को मंजूरी देने से संबंधित कैबिनेट निर्णय इस उद्देश्य को और आगे बढ़ाएगा। इन सुधारों के द्वारा दो प्रमुख लक्ष्यों को हासिल किया गया है - पहला, अत्यधिक मूल्य अस्थिरता से भारतीयों की रक्षा करना और गैस आधारित क्षेत्रों में योजनाबद्ध पूंजीगत व्यय से जुड़े निवेश के लिए स्पष्ट रूपरेखा प्रदान करना और दूसरा, अन्वेषण और उत्पादन (ईएनपी) में नवाचार और निवेश को और बढ़ावा देना। एपीएम गैस मूल्य निर्धारण

विश्वानंदन, 2014 का सामाजिक कारण युक्तिकरण और सुधार (आर एंड आर) की आवश्यकता सामने आयी, जो हाल तक, चार अंतरराष्ट्रीय केंद्रों पर गैस की मात्रा-भारत औसत कीमत के आधार पर एपीएम की कीमतों को निर्धारित करती थी। इन कीमतों का प्रभाव एक महत्वपूर्ण समय अंतराल (6-9 महीने) के बाद पड़ता था और इससे कीमतों में उच्च अस्थिरता मौजूद रहती थी, यहां तक कि पिछले कुछ वर्षों में दो उत्पादक देशों की गैस हब कीमतों ने अपनी प्रासंगिकता खो दी है। उदाहरण के लिए, अक्टूबर 2020 और सितंबर 2021 के बीच एपीएम मूल्य 1.79 डॉलर प्रति एमएमबीटीयू रहा, जो नामित क्षेत्रों के लिए 3.5 डॉलर प्रति एमएमबीटीयू की उत्पादन लागत से बहुत कम है। इस अवधि के दौरान, पश्चिम भारत में एलएनजी की कीमतों का औसत लगभग 11 डॉलर प्रति एमएमबीटीयू रहा था। संक्षेप में, घरेलू उत्पादन को एलएनजी की कीमतों के 20 प्रतिशत से भी कम मूल्य प्राप्त हुआ। हालांकि, रूस-यूक्रेन संकट के बाद अंतरराष्ट्रीय हब की कीमतों में 400 प्रतिशत की वृद्धि के कारण सितंबर 2021 में उक्त एपीएम की कीमतें सितंबर 2021 के 1.79 डॉलर प्रति एमएमबीटीयू से बढ़कर अक्टूबर 2022 में 8.57 डॉलर प्रति एमएमबीटीयू हो गईं, जिसका उर्वरक, विजली और सिटी गैस वितरण (सीजीडी) क्षेत्र पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा। सरकार ने घरेलू गैस उपभोक्ताओं के साथ-साथ राष्ट्रीय तेल कंपनियों को इस तरह की अस्थिरता से बचाने का फैसला किया, एपीएम की कीमतों को मासिक आधार पर निर्धारित किए जाने वाले भारतीय क्रूड ब्रांडेट

मूल्य के 10 प्रतिशत पर रखन के साथ-साथ नामांकित क्षेत्रों के लिए 6.5 डॉलर प्रति एमएमबीटीयू के अधिकतम सीमा और 4.5 डॉलर प्रति एमएमबीटीयू की न्यूनतम सीमा तय की गयी। अधिकतम सीमा पिछले 20 वर्षों के भारतीय कच्चे तेल की कीमत (लाभ) 65 डॉलर प्रति बीबीएल के 10 प्रतिशत पर निर्धारित की गई है, जबकि न्यूनतम मूल्य का निर्धारण, नामांकित क्षेत्रों से गैस उत्पादन के लिए लगभग 3.5 डॉलर प्रति एमएमबीटीयू के उत्पादन की सीमांत लागत पर विचार करता है। अधिकांश भारतीय दीर्घकालिक एलएनजी अनुबंध, ब्रेट से लगभग 13 प्रतिशत अधिक पर केन्द्रित रहे थे। एलएनजी अनुबंधों में दर्जीकरण, परिवहन और पुनर्गोष्ठीकरण की लागतों को ध्यान में रखते हुए, घरेलू गैस, एपीएम कीमतों से 10 प्रतिशत अधिक रही। इन सुधारों के बाद, घरो के लिए खाना पकाने के ईंधन (पीएनजी) की औसत लागत लगभग 10 प्रतिशत कम हो गई है और सीएनजी कीमतों में 6-7 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गयी है। एक और महत्वपूर्ण लाभ, उर्वरक सिल्वेडों में कमी से संबंधित है, जिसके हर साल 2000 करोड़ रुपये से अधिक होने की उम्मीद है। ये सुधार, नामांकित क्षेत्रों के लिए न्यूनतम मूल्य प्रदान करके ई व पी क्षेत्र में निवेश को प्रोत्साहित करने में मदद करेंगे, साथ ही नामित क्षेत्रों के नए कृषि को भी प्रोत्साहित करेंगे, जो 20 प्रतिशत अधिक मूल्य प्राप्त करेंगे।

अजित द्विवेदी आमतौर पर माना जाता है कि कार्यपालिका के कमजोर होने से सरकार और विधायिका दोनों के कामकाज में न्यायपालिका का दखल बढ़ता है। यह धारणा इसलिए बनी क्योंकि न्यायिक सक्रियता के बारे में पहली बार भारत में जब सुनने को मिला तो वह कमजोर और गठबंधन की सरकारों का दौर था। उसी दौर में जजों की नियुक्ति का कॉलेजियम सिस्टम भी बना था और सरकार के कामकाज में न्यायिक हस्तक्षेप भी बढ़ा था। यह दौर लंबा चला था। नब्बे के दशक से शुरू करके कई सदी के दूसरे दशक के लगभग मध्य था। उस समय तक यह सर्वोच्च अदालत की स्थिति सिबीआई को पिंजरे में बंद तोता कहने की थी। उसके बाद पिछले करीब नौ साल में, जबसे केंद्र में पूर्ण बहुमत की मजबूत सरकार सत्ता में है, सिबीआई और दूसरी केंद्रीय एजेंसियों ने सत्तारूढ़ दल के विरोधियों के खिलाफ बेहिसाब कार्रवाई की है लेकिन ऐसी कोई टिप्पणी सुनने को नहीं मिली। उल्टे सिबीआई, ईडी आदि एजेंसियों की शिकायत लेकर विपक्षी पार्टियां सुप्रीम कोर्ट पहुंचीं तो उनकी याचिका खारिज कर दी गई। उससे पहले ईडी के अधिकारों को सुप्रीम

विकास के मुद्दों पर हावी तृष्टिकरण की राजनीति

कर्नाटक विधानसभा चुनाव प्रचार के शोर से आगामी लोकसभा चुनाव के हालात का अंदाजा लगाया जा सकता है। प्रचार के इस शोर में प्रदेश और देश के विकास के मुद्दे गौण हो चुके हैं। भाजपा और कांग्रेस सहित कई अन्य दलों ने एक-दूसरे के खिलाफ व्यक्तिगत लांछन लगा कर चुनाव की लोकतांत्रिक गरिमा को ठेस पहुंचाने का प्रयास किया है। चुनाव आयोग ने कांग्रेस और भाजपा के स्टार प्रचारकों को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। आयोग के मुताबिक, बीजापुर शहर से भाजपा उम्मीदवार व पार्टी के स्टार प्रचारक बासन गौड़ा आर पाटिल और चित्तपुर विधानसभा क्षेत्र से कांग्रेस उम्मीदवार व पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के बेटे प्रियांक खड़गे को कारण बताओ नोटिस भेजा है। भाजपा उम्मीदवार बासन गौड़ा पाटिल ने कोपल जिले के यालवुर्ग इलाके में जनसभा में सोनिया गांधी को लेकर विवादित बयान दिया था। आयोग को ये भी शिकायत मिली कि कांग्रेस नेता प्रियांक खड़गे ने 30 अप्रैल को कलवर्गी की जनसभा में प्रधानमंत्री को लेकर विवादित बयान दिया था। हालांकि भाजपा और कांग्रेस ने चुनावी घोषणा पत्र जारी किए हैं। घोषणा पत्रों पर चर्चा करने के बजाय एक-दूसरे पर आरोप लगाकर मतदाताओं को दिग्भ्रमित करने की कवायद से कर्नाटक व देश को शक्ति पहुंचाई जा रही है। वहीं इस चुनाव को विपक्षी एकता के लिहाज से यदि 'लिटमस टेस्ट' माना जाये तो आगामी लोकसभा चुनाव में ऐसी कवायद सिर नहीं चढ़ने की सुरत नजर नहीं आती। प्रमुख विपक्षी दल कांग्रेस कर्नाटक में अपने बूते चुनाव लड़ रही है। जनता दल एस और आम आदमी पार्टी ने भी अपने उम्मीदवार उतारे हैं। ऐसे में विपक्षी एकता के प्रयास अभी दूर की कौड़ी लगते हैं। यद्यपि राष्ट्रीय स्तर पर न्यूनतम



साझा कार्यक्रम तैयार करने के लिए बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार बेशक प्रयासरत हैं किन्तु कर्नाटक में विपक्षी दलों के बिचरों की हालत देख ऐसे प्रयासों की गंभीरता का अंदाजा लग सकता है। जिन राज्यों में क्षेत्रीय दलों का दबदबा है, उनमें ये दल विपक्षी एकता के लिए किसी दूसरे दल से सीटों पर समझौता करके जरा भी त्याग करने को तैयार नहीं हैं। यही वजह कि कर्नाटक में जनता दल एस, कांग्रेस और आम चुनाव मैदान में हैं। विपक्षी दलों में एकता की कमी से भाजपा को पूर्व में भी चुनावी फायदा मिलाता रहा है। कर्नाटक चुनाव में सत्तारूढ़ भाजपा, कांग्रेस तथा जनता दल एस ने घोषणा पत्रों में वादों की बीछार की है। इसके विपरीत चुनाव में विकास और समस्याओं के समाधान को दरकिनार कर फिजूल के मुद्दे हावी हैं। भाजपा और कांग्रेस

एक-दूसरे पर व्यक्तिगत आरोप-प्रत्यारोप लगाने में कसर नहीं छोड़ रहे हैं, ऐसे में घोषणा पत्र दिखावा साबित हो रहे हैं। घोषणा पत्रों पर सवाल-जवाब करने के बजाय अन्य मुद्दों पर बल देने से कर्नाटक में बुनियादी सुविधाओं के मसले दरकिनार हो गए। दरअसल विपक्षी दलों की जिम्मेदारी बनती है कि सत्तारूढ़ दल के कार्यकाल के दौरान छूट गए विकास कार्यों को मुद्रा बनाएँ। निजी आरोपों और विकास विरोधी मुद्दों को हवा दे डाली। चुनाव प्रचार को बदरंग करने की शुरुआत प्रधानमंत्री मोदी पर निजी रूप से टिप्पणी करके की गई। इसके बाद दोनों तरफ से आरोप-प्रत्यारोपों की बाढ़ आ गई। दोनों दलों के नेता एक-दूसरे पर निजी हमले कर रहे हैं। विकास के मुद्दे दरकिनार कर दिए गए। कांग्रेस ने बजरो दल के साथ पीएफआई

पर प्रतिबंध जैसे बेवुनियाद मुद्दे को लाकर भाजपा को अपने बचाव के लिए बड़ा चुनावी प्रचार का हथियार थमा दिया। भाजपा ने अब इसे प्रमुख मुद्दा बना कर बजरो बली से जोड़ दिया। धर्म से जुड़े ऐसे मुद्दों पर भाजपा पूर्व में कांग्रेस पर हावी रही है। कांग्रेस की इस तरह की चुनावी शुरुआत के साथ भाजपा खुल कर धार्मिक मसले पर सामने आ गई। विकास के बजाय अब इस मुद्दे पर वोटों का ध्वंसाकरण किया जा रहा है। बता दें कि कर्नाटक देश के विकसित राज्यों में शमरा है। इसके बावजूद पर्याप्त बुनियादी सुविधाओं का अभाव हर साल मौसम बदलने के साथ ही आम लोगों को झेलना पड़ता है। राजधानी बंगलुरु अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर बतौर आईटी हब पहचान बना चुकी है। देश की प्रमुख आईटी कंपनियों के हजारों कर्मचारी यहां कार्यरत हैं। इसके अलावा दूसरे बड़े उद्योगों के कर्मचारी भी बड़ी संख्या में हैं। बारिश के मौसम में पिछले कई सालों से प्रदेश की राजधानी की हालत बाढ़ग्रस्त क्षेत्र जैसी हो जाती है। पिछले साल मानसून के दौरान हुई बारिश से लगभग पूरा बंगलुरु जलमग्न हो गया। नावों के जरिये लोगों को अपना बचाव करना पड़ा। यह शहर प्रदूषण की मार भी झेल रहा है। इससे निपटने के उपायों पर भी गंभीरता से प्रयास नहीं किए गए। ऐसे चुनावी मुद्दे प्रमुखता से उठाने के बजाय हाशिये पर धकेले जा चुके हैं। विपक्षी दलों के पास कर्नाटक के विकास से जुड़े इस तरह के मुद्दों पर भाजपा को कठघरे में खड़ा करने का अच्छा मौका था। अब सत्तारूढ़ भाजपा को जवाबदेही से बचने का मौका मिल गया। वहीं कर्नाटक चुनाव के मद्देनजर संभावना कम ही है कि आगामी लोकसभा चुनाव में ऐसे मुद्दे विकास और देश के भविष्य की रूपरेखा का स्थान नहीं लेंगे।

24 घण्टे में अंधे कत्ल का खुलासा कर हत्या के आरोपीगणों को किया गिरफ्तार

नवागत पुलिस अधीक्षक मनीष खत्री ने जिले की कमान संभालने के बाद ली पहली प्रेस कांफ्रेंस

पंकज त्रिपाठी
दैनिक पुष्पांजलि टुडे
भिण्ड। चम्बल जोन पुलिस महानिरीक्षक सुशांत कुमार सक्सेना, पुलिस अधीक्षक महोदय मनीष खत्री द्वारा थाना मालनपुर के अपराध क्र. 88/2023 धारा 302 भादवि में मृतक धर्मेन्द्र उर्फ बन्टी पुत्र महेन्द्र सिंह तोमर उम्र 35 साल नि० ग्राम तुकेड़ा हाल बाराहेट पेड़ा की मौत के रहस्यों का खुलासा कर प्रभावी कार्यवाही करने हेतु निर्देश दिये गये निर्देश के पालन में पुलिस थाना मालनपुर के द्वारा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कमलेश कुमार खरपुसे एवं अनुविभागीय अधिकारी महोदय अनुभाग गोहद सौरभ कुमार के मार्गदर्शन थाना प्रभारी मालनपुर निरीक्षक जितेन्द्र सिंह मावई व टीम द्वारा 24 घण्टे में अंधे कत्ल का खुलासा कर हत्या के आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। घटनाका विवरण

दिनांक 07/05/2023 को सूचनाकर्ता मुरारी सिंह पुत्र श्री कुन्दन सिंह तोमर उम्र 43 साल नि. तुकेड़ा ने थाना मालनपुर पर सूचना की कि भिण्ड ग्वालियर रोड इण्डियन ऑयल पेट्रोल पंप के पहले पुलिया के नीचे खेत में एक लाश पड़ी है जिसको मैंने जाकर देखा तो उस खेत में हमारे गांव के धर्मेन्द्र उर्फ बन्टी पुत्र महेन्द्र सिंह तोमर उम्र 35 साल नि. ग्राम तुकेड़ा हाल बाराहेट पेड़ा का मृत हालत में पेट के बल पट अवस्था में खेत में पड़ा हुआ है। मृतक धर्मेन्द्र उर्फ बन्टी के सिर व शरीर में जगह जगह चोटें होकर खून लगा हुआ है वह चड़ी बिनियान व तोलियां पहने हुए है। मृतक धर्मेन्द्र उर्फ बन्टी की मौत पर शंका जाहिर कि रिपोर्ट पर से मर्ग क्र. 12/2023 धारा 174 जा.पी. कायम कर जाँच में लिया गया। मर्ग जाँच पर से अज्ञात व्यक्ति के विरुद्ध अपराध क्र. 88/2023 धारा 302 पर मृतक की पत्नी से हिकमत अमली से भादवि. का कायम कर विवेचना में लिया पृष्ठछाछ करने पर पत्नी द्वारा दिनांक 6 -

वले अपने देवर व चचिया ससुर को बुलाकर मृतक के शव को खेत में फेंकना स्वीकार किया गया। मृतक की पत्नी, मुँहबोलेभतीजे देवर व चचिया ससुर द्वारा घटना के साक्ष्य मिटाये गये जिससे प्रकरण में धारा 201,34 भादवि. इजाफा की जाकर साक्ष्य एकत्रित कर साक्ष्य के आधार पर अन्धे कत्ल का 24 घण्टे में खुलासा कर आरोपीगण नफर 4 जिसमें एक मृतक की पत्नी व पत्नी के साथ आया उसका मुँहबोला भतीजा व देवर व चचिया ससुर को गिरफ्तार कर आरोपीगणों की निशानदेही से हत्या करने में प्रयुक्त आलाजरर व मौके के अन्य साक्ष्य सामग्री जप्त की गयी।
उक्त कार्यवाही में शामिल पुलिस टीम
निरीक्षक जितेन्द्र सिंह मावई थाना प्रभारी थाना मालनपुर, उपनिरीक्षक प्रदीप सिंह भदौरिया, उपनिरीक्षक बलवन्त सिंह यादव, सहायक उपनिरीक्षक जनार्दन सिंह तोमर, प्रधान आरक्षक राववेन्द्र शुक्ला, प्रधान आरक्षक कमल प्रधान आरक्षक राजेश, प्रधान आरक्षक मंजीत, प्रधान आरक्षक गोविन्द, प्रधान आरक्षक शिववीर सिंह जादौन, आरक्षक पंकज तोमर, आरक्षक मंगल सिंह गुर्जर, आरक्षक गजेन्द्र आरक्षक रामसहाय गुर्जर, आरक्षक आदित्य, आरक्षक रामवरन सिंह आरक्षक नवीन तोमर, आरक्षक सोनू, आरक्षक बलराम गुर्जर, महिला आरक्षक राधा, महिला आर० सरस्वती, महिला आरक्षक अर्चना व निरीक्षक उपेन्द्र छरी थाना प्रभारी गोहद चौराहा व उपनिरीक्षक नागेश शर्मा थाना प्रभारी एण्डोरी उपनिरीक्षक सीपी चौहान थाना प्रभारी बरासे तथा सायबर टीम सहायक उपनिरीक्षक सत्यवीर सिंह प्रधान आरक्षक महेश आरक्षक आनन्द, आरक्षक राहुल यादव का साक्ष्य संकलन व गिरफ्तारी में सहायता योगदान रहा।

पूर्व विधायक हेमंत कटारे ने भरवाये नारी सम्मान योजना के फार्म



पंकज त्रिपाठी
दैनिक पुष्पांजलि टुडे
भिण्ड। राजस्व, परिवहन एवं जिले के प्रभारी मंत्री गोविन्द सिंह राजपूत की अध्यक्षता में राज्य शासन द्वारा 10 मई से 31 मई तक आयोजित मुख्यमंत्री जनसेवा अभियान के द्वितीय चरण की तैयारियों के संबंध में वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से बैठक आयोजित की गई। इस दौरान सहकारिता एवं लोक सेवा प्रबंधन मंत्री डॉ अरविंद सिंह भदौरिया, नगरीय विकास एवं आवास राज्यमंत्री ओपीएस भदौरिया, क्षेत्रीय सांसद श्रीमती संध्या राय, क्षेत्रीय विधायक, जिला पंचायत अध्यक्ष वचुंअल एवं कलेक्टर सभाकक्ष भिण्ड से कलेक्टर डॉ सतीश कुमार एस, एडीएम जेपी सैयाम, डिप्टी कलेक्टर पराग जैन, एसडीएम भिण्ड-अटोर उदय सिंह सिकरवार सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। राजस्व, परिवहन एवं जिले के प्रभारी मंत्री श्री गोविन्द सिंह राजपूत ने 10 मई से 31 मई तक आयोजित होने जा रहे मुख्यमंत्री जन सेवा अभियान के द्वितीय चरण की तैयारियों की समीक्षा कर कहा कि -मुख्यमंत्री जन सेवा अभियान- के पहले चरण में जिले व प्रदेश में जन सेवा

समर्पित भाव से काम कर आमजनों को जन सेवा अभियान से लाभान्वित कराएं : प्रभारी मंत्री श्री राजपूत

जन सेवा अभियान में शासन द्वारा चिन्हित 67 योजनाओं का लाभ लेने से कोई भी पात्र हितग्राही वंचित न रहे : सहकारिता मंत्री डॉ भदौरिया

का कीर्तमान स्थापित हुआ है। उसी भाव के साथ काम कर अभियान के दूसरे चरण में भी छूटे हुए हितग्राहियों और समाज के विशेष बल दिया। उन्होंने राजस्व अधिकारियों को निर्देश दिए कि मुख्यमंत्री जन सेवा अभियान के द्वितीय चरण के

अभियान द्वितीय चरण में अच्छे कार्य करने वाले अधिकारी/कर्मचारियों को सम्मानित किया जाएगा एवं लापरवाही बरतने वालों पर कठोर कार्यवाही की जायेगी। सहकारिता एवं लोकसेवा प्रबंधन मंत्री डॉ अरविन्द सिंह भदौरिया ने कहा कि नागरिकों की समस्याओं के निराकरण के लिए पूर्व में संचालित जन सेवा अभियान सफल रहा है। अभियान के प्रथम चरण लोकप्रिय और सार्थक रहा है। राज्य सरकार का उद्देश्य यही है कि पात्र लोगों को योजनाओं का लाभ मिले। उन्हें बिना लिए-दिए, समय पर बिना परेशानी के सेवा प्राप्त हो। लंबित आवेदनों पर विभागों द्वारा समयबद्ध कार्यवाही होना चाहिए। नई प्राप्त शिकायतों को भी हल किया जाए। आम जनता को भटके बिना उनके द्वार पर सेवा देने के लिए आवश्यक रूपरेखा बना लें। कलेक्टर डॉ सतीश कुमार एस ने अभियान के द्वितीय चरण को मूर्तरूप देने के लिये बनाई गई जिले की कार्ययोजना के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि राज्य शासन के दिशा-निर्देशों के तहत 15 विभागों की 67 प्रकार की सेवाएँ प्रदान करने के लिये विस्तृत रणनीति बनाई गई है।

हर्ष फायर रोकने हेतु भिंड पुलिस ने की पहल



पंकज त्रिपाठी
दैनिक पुष्पांजलि टुडे
मेहगांव। कलेक्टर सतीश कुमार एस के आदेशानुसार एवं पुलिस अधीक्षक मनीष खत्री व अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कमलेश कुमार खरपुसे के निर्देशानुसार मेहगांव एसडीओपी आरकेएस राठौर के मार्गदर्शन में थाना निरीक्षक रविंद्र शर्मा ने मेहगांव में मैरिज गार्डन संचालकों को समझाईश दी कि शस्त्र लेकर मैरिज गार्डन में प्रवेश नहीं करने। थाना मेहगांव पुलिस ने शस्त्र लेकर प्रवेश न करने व हर्ष फायर प्रतिबंधित करने संबंधी फ्लेक्स बैनर लगावाएँ। थाना प्रभारी बीट प्रभारी कंट्रोल रूम का नंबर अवश्य नोट कर रखें। कलेक्टर द्वारा जारी हर्ष फायर संबंधी धारा 144 के आदेश को दीवाल पर लगा कर रखें तथा शादी आयोजकों को पूर्व में ही उक्त आदेश से अवगत करावे। हर्ष फायर रोकने हेतु भिंड पुलिस अधीक्षक मनीष खत्री द्वारा समस्त थाना प्रभारियों को निर्देशित कर समस्त मैरिज गार्डन संचालकों को दिए जा रहे निर्देश।

थाना मेहगांव पुलिस की मैरिज गार्डन संचालकों के साथ मीटिंग कर दी समझाईश

महेंद्र शर्मा उपसंपादक पुष्पांजलि टुडे
मेहगांव। शस्त्र लेकर मैरिज गार्डन में न करने दे प्रवेश, शस्त्र लेकर प्रवेश न करने व हर्ष फायर प्रतिबंधित करने संबंधी फ्लेक्स बैनर लगावाएँ, थाना प्रभारी बीट प्रभारी कंट्रोल रूम का नंबर अवश्य नोट कर रखें। श्रीमान कलेक्टर महोदय द्वारा जारी हर्ष फायर संबंधी धारा 144 के आदेश को दीवाल पर लगा कर रखें तथा शादी आयोजकों को पूर्व में ही उक्त आदेश से अवगत करावे। हर्ष फायर रोकने हेतु भिंड पुलिस अधीक्षक महोदय श्री मनीष खत्री द्वारा समस्त थाना प्रभारियों को निर्देशित कर समस्त मैरिज गार्डन संचालकों को दिए जा रहे निर्देश। हर्ष फायर रोकने हेतु भिंड पुलिस ने की पहल।

भाजपा कार्यकर्ताओं ने मनाई महाराणा प्रताप की जयंती



दैनिक पुष्पांजलि टुडे
भिंड। भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं ने वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप की 483वीं जयंती पर सक्रिय हाउस स्थित महाराणा प्रताप की मूर्ति पर माल्यार्पण कर शत शत नमन किया। इस अवसर पर भारतीय जनता युवा मोर्चा के प्रदेश कार्यसमिति सदस्य अतुल रमेश पाठक ने महाराणा प्रताप को नमन करते हुए कहा कि उन्होंने विस्तारवादी मुगल ताकतों के खिलाफ अपनी अडिग शौर्य और धैर्य के साथ मातृभूमि के प्रति निस्वार्थ कर्तव्य निभाया, उन्हें वीरता और दृढ़ निश्चय के कारण एक महानतम शासक के रूप में जाना जाता है। भाजपा किसान मोर्चा के जिला महामंत्री धर्मेन्द्र टट्टी राजावत ने कहा कि महाराणा प्रताप का चरित्र दुनिया में सर्वश्रेष्ठ है। उन्होंने अपने जीवन में कठिन संघर्ष करके भारतवासियों को मुगलों के जुल्मों से मुक्ति दिलवाने का काम किया। इस कार्यक्रम में मंडल अध्यक्ष अमित जैन, मंडल महामंत्री संतोष भारीली, मंडल उपाध्यक्ष प्रतीक पांडे, मंडल मंत्री प्रशांत सोनी, मंडल मंत्री सूरज बरआ, किसान मोर्चा मंडल अध्यक्ष शंकर सिंह राजावत, बल्लू शर्मा, छोटू शर्मा, अंकित तोमर आदि कार्यकर्ता मौजूद रहे।

विश्व रेडक्रास दिवस एवं थेलेसीमिया दिवस पर स्वेच्छिक रक्तदान शिविर सम्पन्न



पंकज त्रिपाठी
दैनिक पुष्पांजलि टुडे
भिण्ड। जिला चिकित्सालय भिण्ड में विश्व रेडक्रास दिवस एवं थेलेसीमिया दिवस के उपलक्ष्य में स्वेच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया एवं थेलेसीमिया पी०/११ बच्चों को उपहार दिये गये। रक्तदान शिविर में कुल 17 युनिट रक्त एकत्रित किया गया। जिसका शुभारंभ कलेक्टर डॉ सतीश कुमार एस के द्वारा स्वयं रक्तदान कर किया गया। उक्त कार्यक्रम में डॉ यू.पी.एस. कुशवाह मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, डॉ अनिल गौयल सिविल सर्जन, सोभित अग्रवाल रेडक्रास सोसायटी के चेयरमैन, डॉ देवेश शर्मा आर.एम.ओ., जन अभियान परिषद के जिला समन्वयक श्री शिवप्रताप सिंह भदौरिया एवं अन्य सामाजिकसेवी संगठन के पदाधिकारी उपस्थित रहे। इसी उपलक्ष्य में शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र विक्रमपुरा पर स्वास्थ्य एवं नेत्र परीक्षण शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें 124 मरीजों को परामर्श दिया गया।

जनसुनवाई में अपर कलेक्टर ने 60 से अधिक आवेदनों पर कार्यवाही के लिए निर्देश

पंकज त्रिपाठी
दैनिक पुष्पांजलि टुडे
भिण्ड। कलेक्टर में आयोजित शासन की महत्वाकांक्षी योजना जनसुनवाई में अपर कलेक्टर श्री जेपी सैयाम ने आवेदकों की समस्याओं, शिकायतों को सुना और उनका निराकरण किया। कुछ प्रकरणों में संबंधित जिला अधिकारियों को आवश्यक कार्यवाही एवं शीघ्र निराकरण के निर्देश दिए। जनसुनवाई के दौरान अपर कलेक्टर के समक्ष 60 आवेदन आए जिन पर संबंधित इलाज, विद्युत बिलों में सुधार, हेल्पिंगों का संधारण, पेंशन, सड़क दुर्घटना सहायता, हितग्राही जमीन पर कब्जा एवं प्रधानमंत्री आवास स्वीकृत कराने से संबंधित आवेदनों पर गंभीरतापूर्वक कार्यवाही करने के निर्देश दिए कि आवेदकों की और साथ कार्यवाही कर उनकी समस्याओं का निराकरण किया जाए साथ ही समस्याओं के निस्तारण के संबंध में की गई कार्यवाही से अवगत भी कराए।

प्राचार्य 24 घण्टे के अन्दर शा.कन्या महाविद्यालय भिण्ड को अन्यत्र शिफ्ट करें : कलेक्टर

पंकज त्रिपाठी
दैनिक पुष्पांजलि टुडे
भिण्ड। कलेक्टर डॉ सतीश कुमार एस ने प्राचार्य शासकीय कन्या महाविद्यालय भिण्ड को आईटीआई परिसर स्थित भवन में या ओबीसी हाॅस्टल किसी एक में संचालन हेतु 24 घण्टे के अन्दर शिफ्ट कर पालन प्रतिवेदन दो दिवस में कलेक्टर को भिजवाने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने कहा कि भरे संज्ञान में आया कि भिण्ड किले में संचालित शासकीय कन्या महाविद्यालय के भवन में दूधरा आ गयी है। शासकीय कन्या महाविद्यालय के संचालन एवं छात्र हित को ध्यान में रखते हुये तत्काल उक्त संस्था को शिफ्ट किया जाना अतिआवश्यक है। इस हेतु प्राचार्य आईटीआई द्वारा अवगत कराया गया कि आईटीआई परिसर में स्थित भवन का उपयोग कॉलेज संचालन हेतु कर सकते हैं। इसी प्रकार प्रभारी अधिकारी ओबीसी द्वारा भी अवगत कराया गया कि ओबीसी हाॅस्टल में कॉलेज का संचालन किया जा सकता है। उपरोक्त परिस्थिति को दृष्टिगत रखते हुये उक्त शासकीय कन्या महाविद्यालय को दोनों संस्थाओं में किसी एक संस्था में 24 घण्टे के अंदर शिफ्ट करना सुनिश्चित करें।

कलेक्टर ने महिला एवं बाल विकास विभाग तथा चिरायु की कार्यक्रम की समीक्षा बैठक ली

संवाददाता हेमचंद्र नागेश
गरियाबंद। कलेक्टर प्रभात मलिक ने आज कलेक्टोरेट सभाकक्ष में महिला एवं बाल विकास विभाग तथा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग के चिरायु टीम के अधिकारियों की बैठक लेकर उनके योजनाओं तथा उनसे संबंधित विभिन्न गतिविधियों के बारे में विस्तारपूर्वक समीक्षा की। उन्होंने महिला एवं बाल विकास विभाग अंतर्गत सखी वन स्टॉप सेंटर में रहने वाली महिलाओं की संवेदनशीलता के साथ देखरेख करने एवं उन्हें समाज की मुख्यधारा में लाने के प्रयासों पर कार्य करने कहा। इसी प्रकार उन्होंने गंभीर कुपोषित बच्चों को सुपोषित बनाने के लिए विशेष निगरानी के साथ उपचार कराने के निर्देश दिये। कलेक्टर ने सखी वन स्टॉप सेंटर के लिए भवन का चिन्हांकन करने और वहां उनके स्वास्थ्य, सुरक्षा का विशेष ध्यान रखने को कहा। सखी वन स्टॉप सेंटर में रहने वाली महिलाओं की संवेदनशीलता के साथ देखरेख करने एवं उन्हें समाज की

मुख्यधारा में लाने के प्रयासों पर कार्य करने कहा। प्रत्येक कार्यालय में उत्पीड़न निवारण, प्रतिषेध और प्रतितोष बालक एवं बालिका संप्रेक्षण गृह में रहे बच्चों की जानकारी लेकर इन्हें

इसी प्रकार उन्होंने गंभीर कुपोषित बच्चों को सुपोषित बनाने के लिए विशेष निगरानी के साथ उपचार कराने कहा। कलेक्टर ने कहा कि समाज का हर एक बच्चा अहम है। बच्चों की शिक्षा, स्वास्थ्य, पोषण से उनका कल्याण व जतन करें। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग अंतर्गत राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम चिरायु की समीक्षा करते हुए कहा कि महिला एवं बाल विकास विभाग के

बालिकाओं के लक्षण दिखाई देते हैं ऐसे बच्चों का भी स्क्रीनिंग करने के लिए कहा। इसके लिए पंचायत प्रतिनिधियों का भी सहयोग ले। मुख्यमंत्री सुपोषण अभियान के तहत शून्य से 06 वर्ष तक के बच्चों में कुपोषण को दूर करने के लिए आंगनबाड़ी केन्द्रों में पूरक पोषण अहार देने तथा गर्भवती महिलाओं का शत प्रतिशत एएनसी चेकअप, पंजीयन और उनका हिमोग्लोबिन टेस्ट कराने तथा आंगनबाड़ी केन्द्रों के माध्यम से गरम भोजन उपलब्ध कराने के निर्देश दिये। जिन आंगनबाड़ी केन्द्रों में कार्यकर्ता एवं सहायिकाओं की रिक्त पदों पर नियुक्ति नहीं की गई है, वहां 10 दिवस के भीतर नियुक्ति करें। उन्होंने कहा कि प्रत्येक आंगनबाड़ी केन्द्रों में एलपीजी गैस के माध्यम से बच्चों के लिए भोजन बनाये। प्रत्येक आंगनबाड़ी भवन में बिजली, पंखे, पानी, शौचालय सहित मूलभूत व्यवस्था सुनिश्चित होनी चाहिए, इस पर विशेष ध्यान रखने की आवश्यकता है। इस अवसर पर महिला एवं बाल विकास विभाग के कार्यक्रम अधिकारी श्री अशोक पाण्डेय, स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी कर्मचारी उपस्थित थे।



महिलाओं के कार्यस्थल पर लैंगिक अनिवार्य रूप से करने के निर्देश दिये। सुधारात्मक प्रयासों से जोड़ने कहा है।

गरियाबंद के द्वारा कुश्ती के जाने-माने महिला पहलवानों पर हुए यौन उत्पीड़न के खिलाफ जंतर मंतर पर विरोध प्रदर्शन कर संघर्ष कर रहे खिलाड़ियों के समर्थन में राष्ट्रपति व प्रधानमंत्री के नाम

संवाददाता हेमचंद्र नागेश
गरियाबंद - गरियाबंद के द्वारा कुश्ती के जाने-माने महिला पहलवानों पर हुए यौन उत्पीड़न के खिलाफ जंतर मंतर पर विरोध प्रदर्शन कर संघर्ष कर रहे खिलाड़ियों के समर्थन में राष्ट्रपति व प्रधानमंत्री के नाम तहसीलदार गरियाबंद को ज्ञापन सौंपा गया। ज्ञापन में हमने मांग की कि 1. डब्ल्यू. एफ. आई. के चीफ, ब्रिज भूषण शरण सिंह को उसके पद से तुरंत बर्खास्त किया जाये और संघ से निष्कासित किया जाये। 2. डब्ल्यू. एफ. आई. के चीफ, ब्रिज भूषण शरण सिंह को गिरफ्तार किया जाये। 3. यौन उत्पीड़न की घटनाओं के साथ जुड़े अपराधियों को उदाहरण मूलक सजा दो। 3. महिलाओं की हर तरह की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सरकार व पुलिस-प्रशासन उचित कदम उठाए। आप जानते हैं कि विश्व भर में खेल जगत में भारत का नाम रोशन करने वाले पहलवान खिलाड़ियों को आज न्याय मांगने के लिए मजबूर होकर सड़क पर उतरना पड़ा है। जनवरी से डब्ल्यू. एफ. आई., रेसलर्स फेडरेशन ऑफ इंडिया, के चीफ और भाजपा सांसद ब्रिज भूषण शरण सिंह के खिलाफ, महिला पहलवान खिलाड़ियों पर यौन उत्पीड़न करने का मामला सामने आ रहा था। लेकिन 3 महीने बाद भी इस मामले की एफ. आई. आर. तक दर्ज नहीं की गई थी। इस मामले पर ना तो सरकार कि तरफ से, और ना ही पुलिस- प्रशासन की तरफ से कोई कदम

तहसीलदार को सौंपा ज्ञापन
उठाया गया जिसके चलते पहलवान खिलाड़ियों ने प्रतिवाद के रूप में जंतर मंतर पर धरने के आयोजन किया है। सुप्रीम कोर्ट जाने पर मजबूरी जो निम्नस्तर सांस्कृतिक माहौल तैयार किया है। यह शर्मनाक घटना उसका ही परिणाम है। यह बहुत गंभीर विषय है कि आज 8 महीने के

विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं लेकिन आइडि के इतने वर्षों बाद भी, केंद्रीय व राज्य सभी सरकारें अपने ही देश में रह रही महिलाओं की सुरक्षा को सुनिश्चित करने में पूरी तरह से नाकामयाब रही हैं। इस प्रकार की घटनाओं की गंभीरता और भी नग्न रूप में सामने आती है जब देश की जनता को आदर्श का पाठ पढ़ाने वाली सत्ताधारी पार्टियों के नेता इस तरह के घिनौने कृत्यों में लिप्त पाए जाते हैं और यह भी देखने मिल रहा है कि आंदोलन का समर्थन करते दिल्ली यूनिवर्सिटी के छात्रों की पुलिस द्वारा कहरतापूर्वक गिरफ्तार की जा रही है जबकि असली आरोपी खुला घूम रहा है। ऐसे में जनता सुरक्षा की उम्मीद किससे करे? ऐसी स्थिति में पहलवान खिलाड़ियों के द्वारा चलाया जा रहा यह आंदोलन अत्यंत महत्वपूर्ण तथा देश भर की जनता के लिए प्रेरणादायक और एक उम्मीद की किरण जैसा है। हमारे छात्र संगठन एआईडीएसओ द्वारा यौन उत्पीड़न के खिलाफ संघर्षरत महिला पहलवानों के समर्थन में 4 मई को अखिल भारतीय एकजुटता दिवस मनाया गया। हम आम जनता से अपील करते हैं कि इस आंदोलन में इन खिलाड़ियों का साथ दे। यह आंदोलन केवल उन महिला पहलवानों का खिलाड़ियों का आंदोलन नहीं है। यह आंदोलन, हर उस नागरिक का आंदोलन है जो यह मानते हैं कि देश की बेटियां व महिलाएं सुरक्षित रहें व अपराधियों को सजा मिले चाहे वह नेता मंत्री का बेटा या स्वयं मंत्री ही क्यों न हो।



में दिल्ली पुलिस द्वारा सड़कदर्ज की गई। सड़क में पॉस्को एक्ट के तहत भी मामला दर्ज है फिर भी 24 घण्टे बीत जाने पर अभी तक गिरफ्तार नहीं किया गया है। जो कि देश के कानून व्यवस्था पर सवाल खड़े करता है। क्या ये नेता मंत्री कानून से ऊपर हो गए हैं कि उनके कोई कार्यवाही नहीं हो रही है। इस घटना पर प्रधानमंत्री जी की चुप्पी भी समझ से परे है। यह घटना कोई विच्छिन्न घटना नहीं है। पूरे देश में सत्ताधारी पार्टियों ने

मुख्यमंत्री जनसेवा अभियान के द्वितीय चरण में संबंधित विभाग अपने कार्यालय एवं जनपद स्तर पर आयोजित करें सेवा प्रदाय शिविर: कलेक्टर

रीवा। मुख्यमंत्री जनसेवा अभियान का द्वितीय चरण 10 मई से 25 मई तक आयोजित कर लंबित आवेदनों का निराकरण करें। संबंधित विभाग ग्राम पंचायत स्तर में शिविर लगाकर आवेदनों का निराकरण करें और अपने विभाग से संबंधित विभाग की जानकारी का फ्लैक्स तैयार कर लगाएं। उपरोक्त निर्देश कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल ने आज टीएल बैठक में दिए। उन्होंने कहा कि ग्राम पंचायत स्तर पर निराकृत किए गए आवेदनों की जानकारी संबंधित एसडीएम एकर कर जिला मुख्यालय भेजेंगे। कलेक्टर ने कहा कि मुख्यमंत्री जनसेवा अभियान के दो घटक हैं। पहले घटक में नागरिकों से संबंधित 67 सेवाओं के निराकरण के लिए अभियान चलाया जाएगा। इसमें अविवाहित नामांतरण, बंटवारा, स्थानीय निवासी प्रमाण पत्र, जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र, भवन अनुज्ञा, ड्राइविंग लाइसेंस, वाहन पंजीयन, विकलांग प्रमाण पत्र, प्रसूति सहायता जैसी सेवाएं शामिल हैं। उपरोक्त सेवाएं राजस्व, सामान्य प्रशासन, नगरीय विकास एवं आवास, पंचायत एवं ग्रामीण विकास, लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, ऊर्जा, श्रम, आदिमजाति कल्याण, उच्च शिक्षा, कृषि, सहकारिता, तकनीकी शिक्षा, कौशल विकास और रोजगार, उद्यमिकी तथा परिवहन विभाग से संबंधित हैं। कलेक्टर ने बताया कि द्वितीय घटक में सीएम हेल्पलाइन में 30 अप्रैल तक दर्ज लंबित शिकायतों का शत-प्रतिशत निराकरण किया जाएगा। आवेदन का निराकरण करते समय आवेदक को बुलाकर उसके आवेदन का निराकरण होने की जानकारी दी जाएगी तथा उसकी शिकायत का निराकरण कराया जाएगा। उन्होंने कहा कि इन 15 दिवसों में सीएम हेल्पलाइन के शत-प्रतिशत शिकायतों का निराकरण कर आवेदन की पेन्डेंसी निरंक करना है। कलेक्टर ने कहा कि शिविर के दौरान समय सीमा के पत्रों तथा जन सुनवाई में प्राप्त शिकायतों का भी शत-प्रतिशत निराकरण किया जाना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि प्रत्येक जनपद में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी लगातार 15 दिवस तक शिविर आयोजित कर मेडिकल बोर्ड का विकलांगता प्रमाण पत्र जारी करेंगे

बच्ची से लेकर 80 साल की वृद्ध महिलाओं तक कोई भी घर, शिक्षण संस्थान, कार्यस्थल कहीं भी सुरक्षित नहीं है। एक तरफ जहां सामाजिक- आर्थिक तौर पर महिलाएं, इंसान होने के बावजूद समाज में बराबरी का दर्जा पाने के लिए संघर्षरत है, वहीं दूसरी ओर इस तरह की शर्मनाक घटनाएं इस संघर्ष को और भी कठिन बनाने का काम कर रही हैं। आए दिन देश भर में इस प्रकार की घटनाओं को लेकर

टीम जीवनदाता मंदसौर का 50 रक्तदान शिविर होली हनुमान जी परिसर में 102 यूनिट पर सम्पन्न
मंदसौर- नांदवेल शिविर का शुभारंभ बालाजी महाराज होरी हनुमान जी के श्री चरणों में माल्यार्पण कर शिविर का शुभारंभ किया गया। रक्तदान असपास के समस्त ग्रामवासी ने शिविर में युवाओं ने बहुचर्चक भाग लिया। टीम जीवनदाता पिछले पांच वर्षों से रक्तदान के क्षेत्र में लगातार कार्य कर रही है। सभी रक्तवीरों से निवेदन है कि आप इस मुहिम से जुड़ कर मानवता का फर्ज निभाएं। रक्तदान शिविर में टीम जीवनदाता के सभी सदस्य उपस्थित रहे। जिला चिकित्सालय मंदसौर एवं जिला चिकित्सालय प्रतापगढ़ टीम ने रक्त एकत्रित किया अंत में टीम जीवन दाता द्वारा सभी रक्त वीरों का बहुत बहुत धन्यवाद आभार व्यक्त किया और अंत में मंगल मय जीवन की कामना की। टीम निरंतर गत 4 वर्षों से आसपास के क्षेत्रों में लगातार कार्य कर रही है शिविर में कुल 102 यूनिट रक्त दान हुआ।

कलेक्टर द्वारा समय-सीमा बैठक लंबित पत्रों कि, की गयी समीक्षा

मुख्यमंत्री जनसेवा अभियान-2 के संबंध में आवश्यक तैयारियां करने के दिये निर्देश

रिपोर्ट, कृष्ण गोपाल सेन
जिला ब्यूरो चीफ गुना
गुना/ कलेक्टर फ्रेंक नोबल ए. की अध्यक्षता में समय-सीमा बैठक का आयोजन कलेक्टोरेट सभागार में किया गया। बैठक में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत प्रथम कौशिक, अपर कलेक्टर मुकेश कुमार शर्मा सहित समस्त अनुविभागीय अधिकारी एवं जिला अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक के आरंभ में दिनांक 10 मई से 25 मई 2023 तक होने वाले मुख्यमंत्री जनसेवा अभियान-2 के क्रियान्वयन के संबंध में विस्तार से समीक्षा की गयी। बैठक में कलेक्टर ने बताया कि मुख्यमंत्री जनसेवा अभियान का द्वितीय चरण 10 से 25 मई 2023 तक आयोजित किया जाएगा, जिसमें 2 घटक रहेंगे। प्रथम घटक में चिन्हांकित 67 सेवाएं प्रदान करने वाले सभी मैदानी कार्यालयों में निर्धारित सेवाएं प्रदान करने के लिये शिविर लगाये जायेंगे। चिन्हांकित 67 सेवाएं प्रदान करने वाले कार्यालयों और अन्य सभी कार्यालयों में मुख्यमंत्री जनसेवा अभियान के द्वितीय चरण के बैनर लगाया जाना सुनिश्चित रहे। उन्होंने संबंधित विभागों के अधिकारियों को

निर्देश दिये कि चिन्हांकित 67 सेवाओं के जो आवेदन ऑनलाइन या ऑफलाइन अभियान प्रारंभ होने के पूर्व से लंबित है, उनका निराकरण इस अभियान के दौरान करें और प्रत्येक दिन के निराकरण की जानकारी पोर्टल पर दर्ज करें तथा 10 से 25 मई के मध्य प्राप्त होने वाले 67 सेवाओं के आवेदनों का भी निराकरण पोर्टल में दर्ज किया जाना सुनिश्चित करें। दिनांक 15 अप्रैल 2023 तक प्राप्त सभी सीएम हेल्पलाइन शिकायतों का विभागवार मैपिंग का कार्य प्राथमिकता से किया जाना सुनिश्चित करें। बैठक में बताया कि द्वितीय घटक में सी.एम.हेल्पलाइन पोर्टल पर 15 अप्रैल 2023 तक दर्ज किये गए वर्तमान में लंबित सभी शिकायतें पृथक से प्रदर्शित की जायेगी। उन्होंने निर्देश दिये कि सभी शिकायतों में से ऐसी शिकायतें जिनका निराकरण बजट संबंधी कारणों, नीतिगत निर्णयों, सिविल/उच्च न्यायालयों में लंबित प्रकरण, योजना में लक्ष्य से अधिक आवेदन जैसे कारणों से किया जा सकता संभव नहीं हो, उन्हें पृथक से चिन्हांकित कर सूचित करें, जिससे उनके निराकरण संबंधी निर्णय लिया जा सके तथा शेष सभी शिकायतों का अभियान में

निराकरण किया जाना सुनिश्चित करें। इस अभियान का व्यापक प्रचार-प्रसार करें, जिससे सभी पात्र हितग्राही लाभान्वित हो सकें। उन्होंने विकास, शहरी विकास, कृषि उपज मंडी, परिवहन आदि विभागों के अधिकारियों से अभियान के अंतर्गत की जा रही तैयारियों की

संबंध में जानकारी प्राप्त की और मैदानी अधिकारियों की बैठक लेकर समुचित कार्यवाही करने व निरंतर मॉनिटरिंग करने के निर्देश दिये। बैठक में मुख्यमंत्री जनसेवा अभियान से संबंधित जानकारी नहीं दिये जाने पर प्राचार्य आईटीआई श्री नवीन रायकवार को नोटिस जारी करने के निर्देश दिये। बैठक में सीएम हेल्प लाइन की समीक्षा की गयी। इस दौरान ऐसे विभाग जो 'डी' ग्रेडिंग में हैं उन्हें अपनी ग्रेडिंग में सुधार के निर्देश दिये। इस संबंध में 11 मई 2023 को समीक्षा बैठक आयोजित की जाएगी। बैठक में स्वच्छता सर्वेक्षण की तैयारियों के संबंध में मुख्य नगर पालिका अधिकारी गुना, कुंभराज, चांचौड़ को चैक लिस्ट अनुसार आवश्यक तैयारियों पूर्ण करने के निर्देश दिये। इस संबंध में संयुक्त कलेक्टर को प्रति सप्ताह बैठक आयोजित कर समीक्षा के लिए निर्देश दिये। बैठक के दौरान स्वच्छता सर्वेक्षण की तैयारियों की जांच-मेदारी दी गयी है, उनसे फीडबैक लिया जाये और मुख्य नगर पालिका अधिकारी गुना को निर्देशित किया गया कि प्रतिवेदन में उल्लेखित शिकायतों का निराकरण शीघ्रता से

कराया जाना सुनिश्चित करें। इसी प्रकार सभी अनुविभागीय अधिकारी राजस्व को निर्देशित किया गया कि अपने क्षेत्र की सभी नगर पालिकाओं में भी स्वच्छता सर्वे से संबंधित टीम बनायी जाने एवं उसकी सतत मॉनिटरिंग की जावे। बैठक के दौरान लाइली बहना योजना के अंतर्गत बैंकों में जाकर आधार एवं डीबीटी सक्रिय के कार्य के समन्वय करने हेतु जिन अधिकारियों को नियुक्त किया गया है वह भ्रमण के दौरान देखें कि बैंक में बैनर लगा है या नहीं, बैंक में पृथक काउंटर व पानी की व्यवस्था है या नहीं, इसके संबंध में प्रतिवेदन देवें एवं लीड बैंक अधिकारी सभी बैंकर्स से समन्वय करें और डीबीटी इन्ब्लड शत-प्रतिशत कराना सुनिश्चित करें। बैठक में बताया गया कि स्वच्छता मिशन को दृष्टिगत रखते हुए दिनांक 01 से 31 मई 2023 के मध्य समस्त कार्यालयों की साफ-सफाई के 15 बिंदुओं पर रैंकिंग की जायेगी। स्वच्छता रैंकिंग में उत्कृष्ट कार्य करने वाले कार्यालयों को पुरस्कृत किया जायेगा। बैठक के दौरान लंबित पत्रों की विभागवार समीक्षा की एवं संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिये।



राजस्व, स्वास्थ्य, ऊर्जा, जनजातीय कार्य, उच्च शिक्षा, सहकारिता, तकनीकी शिक्षा, उद्यमिकी, श्रम, योजना, आर्थिक एवं सांख्यिकी, ग्रामीण

सदर प्रखण्ड अन्तर्गत विभिन्न विभागों से संबंधित योजनाओं का विस्तार से समीक्षा

दुमका गियासुद्दीन अंसारी
दुमका/झारखंड। उपायुक्त के निदेशानुसार प्रखण्ड सभागार दुमका में प्रखण्ड विकास पदाधिकारी, दुमका सदर राजेश कुमार सिन्हा द्वारा प्रखण्ड समन्वय समिति की बैठक किया गया। जिसमें सदर प्रखण्ड अन्तर्गत विभिन्न विभागों से संबंधित योजनाओं का विस्तार से समीक्षा किया गया। बाल विकास परियोजना कार्यालय अन्तर्गत नये आंगनबाड़ी निर्माण, आंगनबाड़ी केन्द्रों में शौचालय और पेयजल की स्थिति, बिरसा आवास योजना के तहत लंबित आवेदनों को पूर्ण करने, मुख्यमंत्री पशुधन योजना अन्तर्गत पशु रोड का निर्माण, 15वीं वित्त योजना अन्तर्गत वित्तीय वर्ष 2023-24 के लिए योजना तैयार करना, मनरेगा के तहत बिरसा सिंचाई कूप संवर्द्धन योजना, बिरसा हरित ग्राम योजना, वीर पोदो हो खेल योजना, योजनाओं को पूर्ण करना आदि, प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) तथा बाबा साहेब भीमराव अम्बेडकर योजना अन्तर्गत आवासों को पूर्ण करना, कालाजार और एम0आर0 कैम्पेन आदि की समीक्षा किया गया। समीक्षा बैठक में उपस्थित संबंधित विभाग के पदाधिकारी और क्षेत्रीय पदाधिकारियों और क्षेत्रीय कर्मियों को अपने-अपने विभाग अथवा शाखाओं में लंबित योजनाओं को पूर्ण करने का निर्देश दिया गया। समीक्षा बैठक में अनुपस्थित रहने पर पेयजल एवं स्वच्छता विभाग के कर्मीय अभियंता, राजबंघ पंचायत के पंचायत सचिव और बड़हल्ली पंचायत के रोजगार सेवक को स्पष्टीकरण किया गया है। समीक्षा बैठक में प्रथम चिकित्सा पदाधिकारी दुमका, प्रखण्ड पंचायत राज पदाधिकारी दुमका, प्रखण्ड कार्यक्रम पदाधिकारी मनरेगा, महिला पर्यवेक्षिका, सहायक अभियंता मनरेगा, कर्मीय अभियंता मनरेगा, सभी पंचायत सचिव, रोजगार सेवक, बीपीएम जेएसएलपीएस, एटीएम सहित सभी प्रखण्ड कर्मी उपस्थित थे।



कूप संवर्द्धन योजना, बिरसा हरित ग्राम योजना, वीर पोदो हो खेल योजना, योजनाओं को पूर्ण करना आदि, प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) तथा बाबा साहेब भीमराव अम्बेडकर योजना अन्तर्गत आवासों को पूर्ण करना, कालाजार और एम0आर0 कैम्पेन आदि की समीक्षा किया गया। समीक्षा बैठक में उपस्थित संबंधित विभाग के पदाधिकारी और क्षेत्रीय पदाधिकारियों और क्षेत्रीय कर्मियों को अपने-अपने विभाग अथवा शाखाओं में लंबित योजनाओं को पूर्ण करने का निर्देश दिया गया। समीक्षा बैठक में अनुपस्थित रहने पर पेयजल एवं स्वच्छता विभाग के कर्मीय अभियंता, राजबंघ पंचायत के पंचायत सचिव और बड़हल्ली पंचायत के रोजगार सेवक को स्पष्टीकरण किया गया है। समीक्षा बैठक में प्रथम चिकित्सा पदाधिकारी दुमका, प्रखण्ड पंचायत राज पदाधिकारी दुमका, प्रखण्ड कार्यक्रम पदाधिकारी मनरेगा, महिला पर्यवेक्षिका, सहायक अभियंता मनरेगा, कर्मीय अभियंता मनरेगा, सभी पंचायत सचिव, रोजगार सेवक, बीपीएम जेएसएलपीएस, एटीएम सहित सभी प्रखण्ड कर्मी उपस्थित थे।

नाबालिग को शादी का प्रलोभन देकर यौन शोषण करने वाले नामजाद आरोपी निजामुद्दीन अंसारी गिरफ्तार

दुमका/झारखंड। दुमका जिले के रानीश्वर थाना क्षेत्र अंतर्गत आसनबनी गांव की नाबालिग की शादी का प्रलोभन देकर यौन शोषण करने वाले नामजाद आरोपी निजामुद्दीन अंसारी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। सोमवार को पुलिस निरीक्षक वकार हुसैन ने आसनबनी गांव पंहुचकर मामले को सचन जांच करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।

दुमका/झारखंड। उपायुक्त के निदेशानुसार प्रखण्ड सभागार दुमका में प्रखण्ड विकास पदाधिकारी, दुमका सदर राजेश कुमार सिन्हा द्वारा प्रखण्ड समन्वय समिति की बैठक किया गया। जिसमें सदर प्रखण्ड अन्तर्गत विभिन्न विभागों से संबंधित योजनाओं का विस्तार से समीक्षा किया गया। बाल विकास परियोजना कार्यालय अन्तर्गत नये आंगनबाड़ी निर्माण, आंगनबाड़ी केन्द्रों में शौचालय और पेयजल की स्थिति, बिरसा आवास योजना के तहत लंबित आवेदनों को पूर्ण करने, मुख्यमंत्री पशुधन योजना अन्तर्गत पशु रोड का निर्माण, 15वीं वित्त योजना अन्तर्गत वित्तीय वर्ष 2023-24 के लिए योजना तैयार करना, मनरेगा के तहत बिरसा सिंचाई कूप संवर्द्धन योजना, बिरसा हरित ग्राम योजना, वीर पोदो हो खेल योजना, योजनाओं को पूर्ण करना आदि, प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) तथा बाबा साहेब भीमराव अम्बेडकर योजना अन्तर्गत आवासों को पूर्ण करना, कालाजार और एम0आर0 कैम्पेन आदि की समीक्षा किया गया। समीक्षा बैठक में उपस्थित संबंधित विभाग के पदाधिकारी और क्षेत्रीय पदाधिकारियों और क्षेत्रीय कर्मियों को अपने-अपने विभाग अथवा शाखाओं में लंबित योजनाओं को पूर्ण करने का निर्देश दिया गया। समीक्षा बैठक में अनुपस्थित रहने पर पेयजल एवं स्वच्छता विभाग के कर्मीय अभियंता, राजबंघ पंचायत के पंचायत सचिव और बड़हल्ली पंचायत के रोजगार सेवक को स्पष्टीकरण किया गया है। समीक्षा बैठक में प्रथम चिकित्सा पदाधिकारी दुमका, प्रखण्ड पंचायत राज पदाधिकारी दुमका, प्रखण्ड कार्यक्रम पदाधिकारी मनरेगा, महिला पर्यवेक्षिका, सहायक अभियंता मनरेगा, कर्मीय अभियंता मनरेगा, सभी पंचायत सचिव, रोजगार सेवक, बीपीएम जेएसएलपीएस, एटीएम सहित सभी प्रखण्ड कर्मी उपस्थित थे।



दुमका/झारखंड। उपायुक्त के निदेशानुसार प्रखण्ड सभागार दुमका में प्रखण्ड विकास पदाधिकारी, दुमका सदर राजेश कुमार सिन्हा द्वारा प्रखण्ड समन्वय समिति की बैठक किया गया। जिसमें सदर प्रखण्ड अन्तर्गत विभिन्न विभागों से संबंधित योजनाओं का विस्तार से समीक्षा किया गया। बाल विकास परियोजना कार्यालय अन्तर्गत नये आंगनबाड़ी निर्माण, आंगनबाड़ी केन्द्रों में शौचालय और पेयजल की स्थिति, बिरसा आवास योजना के तहत लंबित आवेदनों को पूर्ण करने, मुख्यमंत्री पशुधन योजना अन्तर्गत पशु रोड का निर्माण, 15वीं वित्त योजना अन्तर्गत वित्तीय वर्ष 2023-24 के लिए योजना तैयार करना, मनरेगा के तहत बिरसा सिंचाई कूप संवर्द्धन योजना, बिरसा हरित ग्राम योजना, वीर पोदो हो खेल योजना, योजनाओं को पूर्ण करना आदि, प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) तथा बाबा साहेब भीमराव अम्बेडकर योजना अन्तर्गत आवासों को पूर्ण करना, कालाजार और एम0आर0 कैम्पेन आदि की समीक्षा किया गया। समीक्षा बैठक में उपस्थित संबंधित विभाग के पदाधिकारी और क्षेत्रीय पदाधिकारियों और क्षेत्रीय कर्मियों को अपने-अपने विभाग अथवा शाखाओं में लंबित योजनाओं को पूर्ण करने का निर्देश दिया गया। समीक्षा बैठक में अनुपस्थित रहने पर पेयजल एवं स्वच्छता विभाग के कर्मीय अभियंता, राजबंघ पंचायत के पंचायत सचिव और बड़हल्ली पंचायत के रोजगार सेवक को स्पष्टीकरण किया गया है। समीक्षा बैठक में प्रथम चिकित्सा पदाधिकारी दुमका, प्रखण्ड पंचायत राज पदाधिकारी दुमका, प्रखण्ड कार्यक्रम पदाधिकारी मनरेगा, महिला पर्यवेक्षिका, सहायक अभियंता मनरेगा, कर्मीय अभियंता मनरेगा, सभी पंचायत सचिव, रोजगार सेवक, बीपीएम जेएसएलपीएस, एटीएम सहित सभी प्रखण्ड कर्मी उपस्थित थे।

महापौर डॉ. सिकरवार ने महाराणा प्रताप की जयंती पर माल्यार्पण कर किया वृक्षा रोपण



गवालियर। महापौर डॉ. शोभा सतीश सिकरवार ने आज गोले का मंदिर स्थित श्री महाराणा प्रताप जी की प्रतिमा स्थल पर पहुंचकर त्याग एवं वीरता के पर्याय, अद्वितीय योद्धा श्री महाराणा प्रताप जी की जयंती के अवसर पर उन्हें माल्यार्पण कर नमन किया। इस अवसर पर गवालियर पूर्व विधानसभा के विधायक सतीश सिंह सिकरवार, वरिष्ठ नेता सुनील शर्मा, यदुनाथ सिंह तोमर, उत्तम सिंह कुशवाह, मोहन सिंह कुशवाह, राजेंद्र नाथी, राजवीर राठौर, श्रीमती सुनीता तोमर, श्रीमती किशन भदौरिया, कछू तोमर, योगेन्द्र सिंह नोनेरा, सागर नाथी, पुनीत वैश, संतोष सिंह उपस्थित रहे व महाराणा प्रताप जी की पावन स्मृति में नीम के वृक्ष को रोपित किया।

निगमायुक्त सिंह ने किया स्वच्छता का निरीक्षण, दिए सख्त निर्देश



गवालियर। नगर निगम आयुक्त हर्ष सिंह ने स्वच्छता अधिकारी विक्रम सिंह तोमर को शहर में सफाई व्यवस्था का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने कार्य में लापरवाही बरतने वाले कर्मचारियों को सख्त निर्देश दिए। साथ ही उन पर कार्रवाई के भी निर्देश दिए हैं। नगर निगम आयुक्त हर्ष सिंह ने फूलबाग स्थित गोपाल मंदिर, चिडियाघर, और सफाई कर्मियों के बिना सूचना के अनुपस्थित रहने पर वार्ड हेल्थ ऑफिसर वार्ड क्रमांक 19 अनिल धौलकर को कारण बताओ सूचना पत्र जारी किया गया। निरीक्षण के दौरान उपयुक्त अमरसत्य गुप्ता, मुख्य स्वास्थ्य अधिकारी वैभव श्रीवास्तव, नोडल अधिकारी पार्क महेन्द्र अग्रवाल, स्वास्थ्य अधिकारी भीष्म पमनानी सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

अपर आयुक्त ने सुनी आमजन की समस्याएँ, दिए निराकरण के निर्देश



गवालियर। आमजनों की विभिन्न मूलभूत सुविधाओं से संबंधित समस्याओं के त्वरित निराकरण के लिए जनसुनवाई के तहत आज नगर निगम गवालियर में अपर आयुक्त आर के श्रीवास्तव एवं मुकुल गुप्ता ने आमजनों की समस्याएं सुनकर उनके निराकरण के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। जनसुनवाई के दौरान अपर आयुक्त वित्त श्रीमती रजनी शुक्ला, उपायुक्त डा. प्रदीप श्रीवास्तव सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे। सिटीसेंटर स्थित निगम मुख्यालय में आयोजित जनसुनवाई में पेयजल, अतिक्रमण, सफाई, विद्युत, आवास, सीवर सफाई आदि से संबंधित 32 आवेदन प्राप्त हुए, जिनके निराकरण के लिए संबंधित विभागीय अधिकारियों को आवश्यक कार्यवाही के निर्देश अपर आयुक्त ने दिए। मुख्यमंत्री लाडली बहना योजना में अच्छे कार्य करने पर अपर आयुक्त मुकुल गुप्ता द्वारा उपायुक्त एपीएस भदौरिया, केशवा चौहान, उत्तम जखनिया, क्षेत्रीय अधिकारी राकेश कुशवाह, अभिषेक प्रसाद, पुनीत राजपूत, राजेश रावत को प्रमाण पत्र प्रदान किया गया।

श्यापुर जिले की विद्युत अधोसंरचना को सुदृढ़ करने 143 करोड़ स्वीकृत: ऊर्जा

ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने बताया है कि श्यापुर जिले की विद्युत अधोसंरचना को सुदृढ़ करने एवं विद्युत हानियों को कम करने के उद्देश्य से 143 करोड़ रुपये स्वीकृत किये गये हैं। इसमें से भारत सरकार द्वारा रिवेपड डिस्ट्रीब्यूशन सेक्टर स्कीम (आरडीएसएस) के प्रथम चरण में 117 करोड़ रुपये के कार्य स्वीकृत किये गए हैं। इसके अतिरिक्त मध्यप्रदेश सरकार द्वारा स्वयं के बजट से प्रणाली सुदृढ़ीकरण योजना के माध्यम से विद्युत अधोसंरचना कार्यों के लिए 26 करोड़ रुपये स्वीकृत किए गए हैं। ऊर्जा मंत्री तोमर ने बताया है कि स्वीकृत राशि से कराये जाने किलोमीटर 132 के.व्ही. अति उच्च दाब लाइन का निर्माण, 6 कैपेसिटर बैंक स्थापना, उनीस 33/11 के.व्ही. उपकेंद्रों में क्षमता वृद्धि और अतिरिक्त पाँच ट्रांसफार्मर स्थापना, बीस 11 के.व्ही. फीडरों का विभक्तिकरण कार्य, 88 वितरण ट्रांसफार्मर स्थापना, 139 किलोमीटर निम्न दाब लाइनों का केबलिंग कार्य एवं 1006 किलोमीटर 33 तथा 11 के.व्ही. उच्च दाब फीडरों का निर्माण कार्य सम्मिलित है। इससे श्यापुर जिले की लगभग 7 लाख की जनसंख्या लाभान्वित होगी तथा आगामी 10 वर्षों की विद्युत मांग की सफलतापूर्वक पूर्ति हो सकेगी।

कांग्रेस कमेटी ने किया बार काउंसिल अध्यक्ष भदौरिया का सम्मान

गवालियर। प्रदेश कांग्रेस कमेटी कार्यालय भोपाल से स्टेट बार काउंसिल अध्यक्ष बनने के बाद प्रथम बार पहुंचने के अवसर पर प्रदेश कांग्रेस कमेटी द्वारा अध्यक्ष प्रेम सिंह भदौरिया का स्वागत एवं सम्मान किया गया। पूर्व मुख्यमंत्री मध्य प्रदेश एवं प्रदेश कमेटी के अध्यक्ष कमल नाथ द्वारा भदौरिया को शुभकामनाएं देते हुए आज के दौर में चल रही न्यायालयीन प्रक्रिया को लेकर भी भदौरिया ने पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ से चर्चा की। इस अवसर पर मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी द्वारा बार एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष प्रेम सिंह भदौरिया का कांग्रेस कमेटी द्वारा स्वागत किया गया जिसमें महामंत्री राजीव सिंह भदौरिया, अशोक सिंह, महेंद्र सिंह चौहान, जे पी धनोलिया दिनेश सिंह गुर्जर एवं उपस्थित कांग्रेस कमेटी के पदाधिकारी तथा सदस्यों ने स्वागत किया।

कांग्रेस कमेटी ने किया बार काउंसिल अध्यक्ष भदौरिया का सम्मान

गवालियर। प्रदेश कांग्रेस कमेटी कार्यालय भोपाल से स्टेट बार काउंसिल अध्यक्ष बनने के बाद प्रथम बार पहुंचने के अवसर पर प्रदेश कांग्रेस कमेटी द्वारा अध्यक्ष प्रेम सिंह भदौरिया का स्वागत एवं सम्मान किया गया। पूर्व मुख्यमंत्री मध्य प्रदेश एवं प्रदेश कमेटी के अध्यक्ष कमल नाथ द्वारा भदौरिया को शुभकामनाएं देते हुए आज के दौर में चल रही न्यायालयीन प्रक्रिया को लेकर भी भदौरिया ने पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ से चर्चा की। इस अवसर पर मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी द्वारा बार एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष प्रेम सिंह भदौरिया का कांग्रेस कमेटी द्वारा स्वागत किया गया जिसमें महामंत्री राजीव सिंह भदौरिया, अशोक सिंह, महेंद्र सिंह चौहान, जे पी धनोलिया दिनेश सिंह गुर्जर एवं उपस्थित कांग्रेस कमेटी के पदाधिकारी तथा सदस्यों ने स्वागत किया।

बजरंग दल का एक-एक कार्यकर्ता देश को समर्पित: पप्पू वर्मा

गवालियर। हर प्रखण्ड केंद्रों पर कांग्रेस पार्टी की तैयारी की नीति, आतंकी संगठन पी.एफ.आई. की तुलना बजरंग दल से करने एवं सत्ता में आने पर बजरंग दल पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने की घोषणा के खिलाफ इनकी सद्बुद्धि हेतु श्री हनुमान शक्ति जागरण श्री हनुमान चालीसा का सामूहिक पाठ हिन्दू परिवारों के साथ किया। विश्व हिन्दू परिषद के प्रांत उपाध्यक्ष पप्पू वर्मा ने कहा की कांग्रेस पार्टी के कर्नाटक चुनाव के लिये अपने चुनावी घोषणा पत्र जारी करते समय जिस प्रकार एक प्रखर राष्ट्रभक्त संगठन बजरंग दल की तुलना कुख्यात राष्ट्र विरोधी आतंकवादी और प्रतिबंधित संगठन के साथ की है। यह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है। उन्होंने कहा कि बजरंग दल का एक-एक कार्यकर्ता देश के लिये समर्पित है। कांग्रेस ने राष्ट्रभक्त संगठन बजरंग दल की तुलना आतंकवादी संगठनों के साथ करके संगठन के कार्यकर्ता एवं हिन्दू समाज की भावनाओं को ठेस पहुंचाई है। इसलिये कांग्रेस के विरोध में बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने देशभर में एक ही दिन सभी छोटी से छोटी ईकाई में अपना विरोध दर्ज कराने के लिये हिन्दू समाज का जागरण करते हुये, मंदिरों पर सामूहिक हनुमान चालीसा का पाठ किया गया है। कार्यक्रम में बजरंग दल के प्रांत सह संयोजक मनोज रजक, मनोज गोडिया, मुकेश गुप्ता, प्रताप सिकरवार, कृष्ण कुमार रावत, रविराज लुहेले, संजु राठौर, राजू गोस्वामी, दीपक मांडी, अनिरुद्ध कौख, दीपक यादव, नीरज ऊचिया, विकास झां, गोल्ड सेन, भरत राजपूत, दीपक परमार, नरेश बगबईया, शंकर शाक्य, सीमा गोडिया, शिवानी कुशवाह, विपिन झां, ललीत पाल, नरेन्द्र यादव, रवि जैन, विकी मूलचंदानी, रवि रजक, विनोद राठौर, धनराज धनवार, सोनू गोडिया, सचिन राजपूत, नरेश वर्मा, उदयभानु रजक, विक्रम बोरेले, बबलू माहौर, सुमित सोनी, वीर सिंह गौड, पवन शर्मा, कपिल भार्गव, राकेश कुशवाह, राकेश बघेल, रंजीत रजक, दीपू कुशवाह आदि सैकड़ों हिन्दू समाज से भी लोग उपस्थित थे।

राष्ट्रीय हिन्दू एकता संगठन एवं श्री राष्ट्रीय क्षत्रिय महासभा अखंड भारत ने संयुक्त रूप से मनाया महाराणा प्रताप एवं वीर छत्रसाल जयंती

गवालियर। हर प्रखण्ड केंद्रों पर कांग्रेस पार्टी की तैयारी की नीति, आतंकी संगठन पी.एफ.आई. की तुलना बजरंग दल से करने एवं सत्ता में आने पर बजरंग दल पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने की घोषणा के खिलाफ इनकी सद्बुद्धि हेतु श्री हनुमान शक्ति जागरण श्री हनुमान चालीसा का सामूहिक पाठ हिन्दू परिवारों के साथ किया। विश्व हिन्दू परिषद के प्रांत उपाध्यक्ष पप्पू वर्मा ने कहा की कांग्रेस पार्टी के कर्नाटक चुनाव के लिये अपने चुनावी घोषणा पत्र जारी करते समय जिस प्रकार एक प्रखर राष्ट्रभक्त संगठन बजरंग दल की तुलना कुख्यात राष्ट्र विरोधी आतंकवादी और प्रतिबंधित संगठन के साथ की है। यह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है। उन्होंने कहा कि बजरंग दल का एक-एक कार्यकर्ता देश के लिये समर्पित है। कांग्रेस ने राष्ट्रभक्त संगठन बजरंग दल की तुलना आतंकवादी संगठनों के साथ करके संगठन के कार्यकर्ता एवं हिन्दू समाज की भावनाओं को ठेस पहुंचाई है। इसलिये कांग्रेस के विरोध में बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने देशभर में एक ही दिन सभी छोटी से छोटी ईकाई में अपना विरोध दर्ज कराने के लिये हिन्दू समाज का जागरण करते हुये, मंदिरों पर सामूहिक हनुमान चालीसा का पाठ किया गया है। कार्यक्रम में बजरंग दल के प्रांत सह संयोजक मनोज रजक, मनोज गोडिया, मुकेश गुप्ता, प्रताप सिकरवार, कृष्ण कुमार रावत, रविराज लुहेले, संजु राठौर, राजू गोस्वामी, दीपक मांडी, अनिरुद्ध कौख, दीपक यादव, नीरज ऊचिया, विकास झां, गोल्ड सेन, भरत राजपूत, दीपक परमार, नरेश बगबईया, शंकर शाक्य, सीमा गोडिया, शिवानी कुशवाह, विपिन झां, ललीत पाल, नरेन्द्र यादव, रवि जैन, विकी मूलचंदानी, रवि रजक, विनोद राठौर, धनराज धनवार, सोनू गोडिया, सचिन राजपूत, नरेश वर्मा, उदयभानु रजक, विक्रम बोरेले, बबलू माहौर, सुमित सोनी, वीर सिंह गौड, पवन शर्मा, कपिल भार्गव, राकेश कुशवाह, राकेश बघेल, रंजीत रजक, दीपू कुशवाह आदि सैकड़ों हिन्दू समाज से भी लोग उपस्थित थे।

मुनीम पर हमला करने वाले बाइक सवार हमलावर गिरफ्तार, पिस्टल भी बरामद

गवालियर। डबरा में 12 दिन पहले मुनीम पर हमला करने वाले बाइक सवार हमलावरों को फ्राइम ब्रांच ने गिरफ्तार किया है। हमले का मास्टरमाइंड एक 17 साल का नाबालिग है। जिस एजेंसी में घायल मुनीम था वहीं नाबालिग हमलावर कर्मचारी है। मुनीम बार-बार चुगली कर उसका वेंतन कटवा देता था। उसे सबक सिखाने के लिए नाबालिग ने अपने दो अन्य साथियों के साथ मिलकर यह योजना बनाई थी। पुलिस ने सभी तीनों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। हत्या के प्रयास में उपयुक्त पिस्टल भी बरामद कर ली गई है। एएसपी देहात जयराज कुबेर व फ्राइम ब्रांच एएसपी राजेश डंडेलिया ने बताया कि डबरा की विवेकानंद कॉलोनी निवासी मदनलाल पुत्र नाथुराम पाराशर, मां सवित्री ट्रेक्टर एजेंसी पर मुनीम का काम करता है। 25 अप्रैल को जब वह अपना काम खत्म कर वापस घर जा रहा था। तभी बाइक से सदेह नहीं जताया था। पुलिस हमलावरों की तलाश के लिए स्थानीय बदमाशों और परिवार इसका पता चलते ही पुलिस ने छानबीन की तो मुनीम की कंपनी में काम करने वाला एक नाबालिग कर्मचारी घटना वाले दिन से काम पर नहीं आया था। जिसके बाद पुलिस ने नाबालिग सहित तीन को उठा लिया। उनसे पूछताछ की तो पहले वह वारदात कुबूल नहीं कर रहे थे, लेकिन बाद में पूरी घटना करना कुबूल किया। पता चला है कि जिस एजेंसी पर मुनीम काम करता है, वहाँ पर नाबालिग भी जाँच करता है। हर माह मुनीम चुगली कर उसके पैसे कटवा देता था, जिससे नाबालिग काफी नाराज था। उसने अपने दोस्तों प्रदीप गौड और लक्ष्मण सिंह गौड के साथ मिलकर वारदात को अंजाम दिया था। वारदात की पड़ताल में जुटी पुलिस पहले फरियादी के घर में ही हमलावरों की तलाश करती रही, क्योंकि कुछ अहम जानकारी हाथ लगी थी।

दैनिक पुष्पांजलि टुडे न्यूज़

गवालियर। श्री राष्ट्रीय क्षत्रिय महासभा अखंड भारत के प्रदेश मीडिया प्रभारी संतोष सिंह भदौरिया द्वारा बताया गया कि युगपुरुष, हिंदुआ सूरज, क्षत्रिय कुलभूषण भारतीय स्वाभिमान के प्रतीक वीर महाराणा प्रताप जी एवं वीरकी 483 वीं जन्मजयंती समस्त हिन्दू समाज के लोगों द्वारा उल्लासपूर्वक मनाई गयी। कार्यक्रम के दौरान महापुरुष को स्मरण करते हुए मुख्य अतिथि श्री अशोक सिंह भदौरिया जी द्वारा बताया गया की अन्याय अत्याचार के खिलाफ वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप जी के द्वारा किये गए संघर्ष और स्वाभिमान की लड़ाई की चर्चा की गयी। कार्यक्रम में राष्ट्रीय अध्यक्ष दादा श्री अशोक सिंह भदौरिया जी, श्री धर्मेन्द्र सिंह राजावत, वेद प्रकाश राजावत जी, श्री कृष्णा जादीन जी, रामराज सिंह भदौरिया, श्री आशु सिंह राजावत, श्री अजय राजावत जी, दीपेंद्र सिंह, श्री राजू राजावत जी, श्री डिंपल चौहान जी, श्री आशु राजावत, श्री उम्मेद सिंह तोमर जी, गजेंद्र बघेल, रविंद्र बघेल, सुभाष बघेल, राजू गुर्जर, सैकड़ों की जनसंख्या में धर्म राष्ट्र प्रेमी भाई बहनों ने उपस्थित रहकर महाराणा प्रताप जी से प्रेरणा लेने का संकल्प लिया।

जिला रोजगार कार्यालय में तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला 10 मई से

गवालियर। जिला रोजगार कार्यालय (मॉडल कैरियर सेंटर) में 'मीडिया एण्ड एंटरटेनमेंट इंडस्ट्रीज' विषय पर 10 मई से तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला आयोजित होगी। कार्यशाला का समय दोपहर 12 बजे से 2 बजे तक रखा गया है। जिला रोजगार कार्यालय यहाँ गोले का मंदिर मुरैना लिंक रोड पर गवाड़ापुरा के समीप गारमेट पार्क परिसर में स्थित है। उप संचालक जिला रोजगार कार्यालय से प्राप्त जानकारी के अनुसार 'मीडिया एण्ड एंटरटेनमेंट इंडस्ट्रीज' में भाग लेने के इच्छुक अभ्यर्थी वेबसाइट पर अपना ऑनलाइन भी पंजीयन करा सकते हैं। आवेदक अपने रोजगार पंजीयन क्रमांक, शैक्षणिक योग्यता संबंधी प्रमाण-पत्र व बायोडाटा के साथ कार्यशाला में भाग ले सकते हैं। विस्तृत जानकारी के लिये उप संचालक जिला रोजगार कार्यालय में संपर्क किया जा सकता है।

वेरान्त (प्रा.) I.T.I.

ट्रेड :- इलेक्ट्रीशियन, फिटर

योग्यता 10वीं पास

Mob. 7694927881, 7999312951

श्रिण्ड रोड, मेहगाँव, जिला श्रिण्ड (म.प्र.)